MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

"जो पानी से नहाएगा वो सिर्फ लिबास बदल सकता है,लेकिन जो पसीने से नहाएगा वो इतिहास बदल सकता है"

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-52 ❖ मुंबई ❖ रविवार 19 से 25 दिसंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

एक क्लिक पर मिलेगी बेस्ट बस की पूरी जानकारी, यात्रियों के लिए जल्द लॉन्च होगा बेस्ट का नया ऐप

पेज 5

गुजरात में भीषण हादसा- पंचमहाल की केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग में 2 मजदूरों की मौत, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

पेज 7

सलमान खान ने किराए पर दिया अपना मुंबई वाला अपार्टमेंट, कीमत आपके होश उड़ा देगी

पेज 8

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा तीसरे बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का शानदार आयोजन

ओमिक्रॉन को लेकर सरकार की चेतावनी

ट्रैवलिंग और भीड़भाड़ से बचें, जिन जिलों में नए केस 5% से ज्यादा वे अपनी तैयारी शुरू कर दें

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। हेल्थ मिनिस्ट्री, ICMR और नीति आयोग ने अचानक शुक्रवार को एक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और लोगों को चेतावनी भरे लहजे में ओमिक्रॉन से सतर्कता और सावधानी बरतने को कहा। सरकार ने ये भी कहा है कि जिन जिलों में 5% से ज्यादा केस हैं, वे जरूरी तैयारी शुरू कर दें।

ICMR के डीजी बलराम भार्गव ने बताया कि ओमिक्रॉन बहुत तेजी से दुनिया में फैल रहा है। लोगों को सतर्कता बरतते हुए गैरजरूरी यात्रा और भीड़भाड़ से परहेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कोरोना के नए मामले बढ़ रहे हैं, या यूं कहें कि जो 5% से ज्यादा पॉजिटिव केस वाले जिले हैं, वे कड़े उपाय लागू करें।

हेल्थ मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी सचिव लव अग्रवाल और बलराम भार्गव के बाद नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वीके पॉल ने भी मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि कोरोना से यूरोप के देशों की स्थिति बेहद खराब है। यहां डेल्टा के साथ ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस भी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। ऐसे में हमें हर एक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। केंद्र सरकार भी इस दिशा में तेजी के साथ काम कर रही है।

ओमिक्रॉन डेल्टा से भी ज्यादा तेजी से फैल रहा | नया वैरिएंट अब तक 91 देशों तक पहुंच चुका है | यूरोप के देशों में नए मरीजों से स्थिति बदतर हुई

11 राज्यों में नए वैरिएंट के अब तक 109 केस

लव अग्रवाल ने बताया कि कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन दुनियाभर के 91 देशों में फैल चुका है। अग्रवाल ने बताया कि भारत के 11 राज्यों में नए वैरिएंट के अब तक 101 केस मिल चुके हैं। देर शाम महाराष्ट्र में 8 और मरीज मिले हैं। इस तरह राज्य में कुल मामले बढ़कर 40 हो गए हैं। वहीं देश में मरीजों की संख्या 109 हो गई है।

अग्रवाल ने बताया कि WHO के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन वैरिएंट डेल्टा स्ट्रेन के मुकाबले कहीं ज्यादा तेजी से पांव पसार रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो ओमिक्रॉन डेल्टा वैरिएंट से कहीं ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका में ही 24 नवंबर को ओमिक्रॉन वैरिएंट के पहले केस की पहचान की गई थी।

केरल में रोजाना 40.31% केस मिल रहे

हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि पिछले 20 दिनों में देशभर में कोरोना के नए केस रोजाना 10 हजार से नीचे दर्ज किए गए हैं। हालांकि सबसे बड़ी चिंता केरल को लेकर है। यह ऐसा राज्य है जिसका देशभर में मिल रहे कुल नए केस में 40.31% योगदान है। केरल में ही कोरोना के पहले केस की पहचान हुई थी।

वैक्सीनेशन में भारत US-UK से भी आगे

हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक भारत में वैक्सीनेशन ड्राइव काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। देशभर में अब तक 136 करोड़ डोज दिए जा चुके हैं। वहीं भारत के मुकाबले अमेरिका और ब्रिटेन वैक्सीनेशन के मामले में काफी पीछे हैं।

महाराष्ट्र बोर्ड की में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा होगी ऑफलाइन : वर्षा गायकवाड

मुंबई, महाराष्ट्र बोर्ड की एसएससी और एचएससी की सत्र 2021-22 की बोर्ड परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी। शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड के मुताबिक, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा 14 फरवरी से 7 अप्रैल के बीच होंगी। 12वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा 4 मार्च से 7 अप्रैल तक और मौखिक परीक्षा 14 फरवरी से 3 मार्च तक होगी। 10वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा 15 मार्च से 18 अप्रैल तक और मौखिक परीक्षा 25 फरवरी से 14 मार्च तक होगी। परीक्षा पैटर्न और मूल्यांकन पहले की तरह ही होगा।

पिछले दो साल का हाल

2020: एक परीक्षा नहीं हो पाई थी, जिसमें दूसरे विषयों के आधार पर औसत अंक दिए गए थे

एमयू की पेट परीक्षा के टाइम टेबल में बदलाव

मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय (एमयू) की पेट (पीएचडी प्रवेश पूर्व परीक्षा) परीक्षाओं के टाइम टेबल में बदलाव किया गया है और विश्वविद्यालय की ओर से रिवाइज्ड शेड्यूल जारी कर दिया गया है। अब परीक्षाएं आज से मंगलवार तक ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। संशोधित कार्यक्रम के तहत मानव विज्ञान की परीक्षाएं १७ दिसंबर २०२१ को आयोजित की जाएंगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परीक्षाएं १८ दिसंबर २०२१ को आयोजित की जाएंगी। वाणिज्य व प्रबंधन और इंटर-विषयों की परीक्षाएं २१ दिसंबर २०२१ को होंगी। सभी परीक्षाएं सुबह १० बजे से दोपहर १२ बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। परीक्षा व मूल्यांकन मंडल के निदेशक डॉ. विनोद पाटील ने बताया कि पेट परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे। कुल ४,४९९ विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें २,६५४ छात्राएं और १,८४५ छात्रों ने आवेदन किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए सबसे अधिक १,९२१ आवेदन प्राप्त हुए हैं।

केंद्र स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना कोई परियोजना थोप नहीं सकता: नवाब मलिक

मुंबई, महाराष्ट्र के जैतापुर में छह परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की केंद्र सरकार की सैद्धांतिक मंजूरी के एक दिन बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना कोई परियोजना जबरन लागू नहीं कर सकता है। परमाणु ऊर्जा विभाग में केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा में कहा कि सरकार ने फ्रांस के साथ तकनीकी सहयोग से 1,650-1,650 मेगावाट के छह परमाणु बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए महाराष्ट्र में जैतापुर में स्थल की 'सिद्धांततः' मंजूरी प्रदान कर दी है जो 9,900 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ सबसे बड़ा परमाणु बिजली उत्पादन स्थल बन जाएगा। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए एनसीपी के प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि विकास और नयी परियोजनाओं की आवश्यकता है लेकिन स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना नहीं। उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना कोई परियोजना थोप नहीं सकती। जैतापुर परियोजना संप्रग सरकार लेकर आयी थी लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण इसे रोकना पड़ा था।' मलिक ने कहा कि हाल में तीन कृषि कानूनों को वापस लेना इसका उदाहरण है कि जब फैसले पक्षकारों से विचार-विमर्श किए बिना लिए जाते हैं, तो क्या होता है। शिवसेना नेता एवं सिंधुदुर्ग से लोकसभा सदस्य विनायक राउत ने दिल्ली में पत्रकारों से संसद में सरकार का जवाब तकनीकी था। उन्होंने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में कम से कम छह दफा इस तरह के जवाब देखे हैं। स्थानीय आबादी इस परियोजना के खिलाफ है जो हानिकारक है और इससे पूरी कोंकण तट रेखा पर असर पड़ेगा।

हैलो, मैं गृह मंत्रालय से बोल रहा हूं! महाठग के जाल में ऐसे फंसी जैकलीन

मुंबई, अगर आपके पास केंद्रीय गृह मंत्रालय से सीधे फोन आ जाए तो आप क्या करेंगे? आपके दिल की धड़कनें बढ़ जाएंगी और आप सोचने लगेंगे कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं हो गई... मगर जरा सोच लीजिए। क्योंकि अभिनेत्री ऐसे ही एक फोन कॉल के बाद एक महाठग के जाल में उलझ गई और अब जांच एजेंसियों की पूछताछ के चक्कर में फंस गई है।

करोड़ों रुपए का चूना लगानेवाले ठग सुकेश चंद्रशेखर ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को अपने झांसे में फंसाने के लिए गृह मंत्रालय के नाम का इस्तेमाल किया। ईडी ने २०० करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी सुकेश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की तो ऐसे ही चौंकानेवाले खुलासे हुए हैं। सुकेश ने जैकलीन पर अपना प्रभाव जमाने के लिए उसी की मेकअप आर्टिस्ट को जरिया बनाया।

जैकलीन से दोस्ती करने के लिए उसने खुद को गृह मंत्रालय का अधिकारी बताया। मेकअप आर्टिस्ट के फोन पर आवाज सुनाई दी- हैलो, मैं शेखर रत्न वेला बोल रहा हूं... क्या मेरी बात जैकलीन फर्नांडीज के मेकअप आर्टिस्ट से हो रही है। मैं जैकलीन से मिलना चाहता हूं...। वह अगर मोबाइल नंबर से फोन करता तो शायद फंस सकता था तो उसने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नंबर को स्पूफ किया। 'कॉल स्पूफ' यानी फोन की घंटी बजेगी तो सामनेवाले को फोन करनेवाले का असली नंबर नहीं, बल्कि किसी और का नंबर दिखेगा। इसके बाद जैकलीन महाठग के झांसे में फंसती गईं। घड़ी, घोड़े से लेकर कीमती बैग और बीएमडब्ल्यू तक सुकेश ने जैकलीन के लिए हाजिर कर दिए। फरवरी, २०२१ से लेकर ७ अगस्त, २०२१ तक सुकेश लगातार जैकलीन के संपर्क में रहा।

महाराष्ट्र में भी टीईटी की परीक्षा में महाघोटाला, पैसे लेकर पास किए गए कई अभ्यर्थी... पुणे पुलिस का दावा

पुणे, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की प्रवेश परीक्षा का पेपर लीक होने और म्हाडा की भर्ती के प्रश्नपत्र को लीक करने के प्रयास के बाद पुणे पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान अब महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा के संदर्भ में भी अहम खुलासा हुआ है। इस मामले में गुरुवार को पुणे पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुणे पुलिस कमिश्नर अमिताभ गुप्ता के मुताबिक महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएसईसी) के आयुक्त तुकाराम सुपे और अभिषेक सावरीकर को गिरफ्तार किया गया है।

जनवरी 2020 में हुई थी महाटेट परीक्षा महाटीईटी की परीक्षा का विज्ञापन साल 2019 में दिया गया था। जिसके बाद साल 2020 के जनवरी महीने में परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस शिक्षक पात्रता परीक्षा में अभ्यर्थियों को पैसे लेकर पास करने का आरोप तुकाराम सुपे पर है।

तुकाराम सुपे के घर से मिले 90 लाख

तुकाराम सुपे के घर से 88 लाख 49 हज़ार 980 रुपए नकद, सोने के आभूषण, पांच लाख पचास हज़ार रुपये की एफडी के दस्तावेज, बरामद हुए हैं। इसके अलावा सुपे ने अपने दोस्त को भी लाखों रुपए देने की जानकारी सामने आई है।

करोड़ों रुपए लेने का कबूलनामा

म्हाडा की परीक्षा के संदर्भ में प्रीतिश देशमुख के घर पर की गई छापेमारी के दौरान 2020 में हुई टीईटी की परीक्षा के तकरीबन 40 से 50 पहचान पत्र बरामद किए गए थे। इस वजह से टीईटी परीक्षा के संदर्भ में भी जांच शुरू की गई थी। इस मामले में तुकाराम सुपे ने 1 करोड़ 70 लाख, प्रीतिश देशमुख ने 1 करोड़ 25 लाख जबकि अभिषेक सावरीकर ने 1 करोड़ 25 लाख रुपए लेने का आरोप है। इस प्रकार कुल 4 करोड़ 20 लाख रुपए लेने की बात पूछताछ में कबूल की है। जिसमें से 90 लाख रुपए जब्त किए गए थे। इस मामले में और भी लोगों की गिरफ्तारी होने की संभावना है।

गोल्डन ऑवर में बचाते हैं जान हाइवे के मृत्युंजय दूत!

पालघर, मुंबई-अमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर होनेवाले हादसों में घायलों की मदद करने में 'मृत्यंजय दूत' अहम भूमिका निभा रहे हैं। राजमार्ग पुलिस की ओर से नियुक्त किए गए मृत्युंजय दूत लगातार जख्मियों की मदद करने में लगे हुए हैं। घायलों को मृत्युंजय दूत द्वारा दी गई त्वरित मदद के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होनेवाली मौतों की संख्या में भी कमी आई है क्योंकि दुर्घटना के बाद के महत्वपूर्ण समय (गोल्डन ऑवर) में चिकित्सा उपचार प्रदान किया जा रहा है। मृत्युंजय दूत के सराहनीय कार्यों को देखते हुए लोग उन्हें देवदूत भी कहते हैं। हाइवे पर तैनात हैं १२५ `मृत्युंजय दूत' घोडबंदर से लेकर तलासरी तक करीब १२५ लोग मृत्युंजय दूत के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जो हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचते हैं और जख्मियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में उनकी मदद करते हैं। इन मृत्युंजय दूतों की तत्परता से घोडबंदर से तलासरी तक हाईवे पर जख्मी हुए सैक़ड़ों लोगों की जान बचाई गई है। और इसी वर्ष हादसे में जख्मी हुए करीब १५० लोगों को अस्पताल पहुंचाने में मृत्युंजय दूतों ने मदद की है। १ मार्च, २०२१ से शुरू हुई सेवा देश में हर साल राजमार्गों पर सड़क हादसों में करीब हजारों लोगों की मौत हो जाती है। हादसों में घायलों को समय से इलाज न मिलने से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। राजमार्गों पर सीमित संख्या में पुलिस होने के कारण घायलों को तत्काल सहायता प्रदान करने में कई कठिनाइयां आती हैं। इसके चलते अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. भूषण कुमार उपाध्याय और यातायात-राजमार्ग की अवधारणा से १ मार्च, २०२१ को 'मृत्युंजय दूतों' ने घायलों को सेवाएं देनी शुरू कीं।

इन्हें दी गई है ट्रेनिंग मॉल, पेट्रोल पंप, ढाबों के कर्मचारी, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर होटल, ग्रामीणों का एक समूह बनाकर दुर्घटनाओं में घायल होनेवाले लोगों की मदद के लिए नि:शुल्क इनकी सेवाएं ली जा रही हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार वैâ से देना है और उन्हें वैâ से संभालना है, इस बारे में मृत्युंजय दूत को ट्रेनिंग दी गई है। इसके अलावा हाईवे पर स्थित अस्पतालों के नाम और उनके कॉन्टैक्ट नंबर के साथ-साथ एंबुलेंस नंबर १०८ के लोकेशन की भी अपडेट मृत्युंजय दूतों को दी गई है। विशेष प्रशिक्षण घायलों को तत्काल मदद उपलब्ध करवाने के लिए मृत्युंजय दूतों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचेगी मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई में दूसरे चरण के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

मुंबई, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के दूसरे चरण को प्रदेश में लागू करने के लिए बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी मिल गई है। इसी के साथ राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में अब १० हजार किमी सड़कें बनेंगी। बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस प्रस्ताव को ग्रामीणों के लिए एक बेहतर सौगात बताते हुए कहा कि इससे गांव की दशा और दिशा दोनों में काफी सुधार आएगा। निर्णय के अनुसार राज्य में १०,००० किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाएगा। राज्य के बजट २०२१-२२ में ग्रामीण सड़क विकास योजना के तहत वित्त मंत्री ने उल्लेख किया था कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के विकास के लिए ४०,००० किमी सड़कों का निर्माण किया जाएगा और इसे २०२० से २०२४ के बीच पूरा किया जाएगा। इसी के तहत मंत्रिमंडल की बैठक में इस साल करीब १० हजार किलोमीटर सड़कों पर काम शुरू करने का फैसला लिया गया। सड़क विकास योजना २००१-२०२१ के अनुसार प्रदेश में ग्रामीण सड़कों की कुल लंबाई २ लाख ३६ हजार ८९० किमी है। चरण १ के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण किया जा रहा है। जिन सड़कों का काम इस योजना में नहीं शामिल हैं उन ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का चरण-२ लागू किया जाएगा।

कौन सच्चा, कौन झूठा

भारतीय क्रिकेट टीम का साउथ अफ्रीका दौरा शुरू होने से ठीक पहले कप्तान विराट कोहली और बीसीसीआई प्रेजिडेंट सौरव गांगुली के बीच उभरा विवाद बीसीसीआई की कार्य प्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े करता है। मामला मूलत: विराट कोहली के टी-20 फॉरमैट की कप्तानी छोड़ने और वनडे इंटरनैशनल फॉरमैट की कप्तानी छीने जाने से जुड़ा है। कहने की जरूरत नहीं कि कोई भी खिलाड़ी किसी खास फॉरमैट या किसी खास भूमिका को लेकर यह फैसला कर सकता है कि वह उसके लिए उपलब्ध रहना चाहता है या नहीं। ठीक ऐसे ही बीसीसीआई के सिलेक्टर्स यह फैसला कर सकते हैं कि किसी खास भूमिका के लिए उपलब्ध प्रत्याशियों में से किसे चुना जाए और किसे नहीं। लेकिन जब बात दुनिया की बेस्ट मानी जाने वाली क्रिकेट टीम और उसके सर्वश्रेष्ठ कहे जाने वाले खिलाड़ी या कप्तान की हो तो उम्मीद की जाती है कि न केवल ये फैसले जहां तक संभव हो, आपसी बातचीत और तालमेल के साथ लिए जाएंगे बल्कि उन पर अमल भी इस तरह

से होगा कि कोई भी पक्ष अनावश्यक रूप से उपेक्षित या अपमानित नहीं महसूस करेगा। अफसोस की बात है कि बीसीसीआई इस मामले में यह न्यूनतम अपेक्षा भी पूरी नहीं कर पाया। हालांकि बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली का दावा है कि जब कोहली ने टी-20 फॉरमैट की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया तो उन्होंने खुद कोहली को समझाया था कि वे ऐसा न करें। इसके बावजूद कोहली अड़े रहे। मजबूरन बोर्ड को उन्हें वनडे फॉरमैट की कप्तानी से भी अलग करना पड़ा क्योंकि दोनों मुकाबले वाइट बॉल फॉरमैट के हैं और एक फॉरमैट के दो कप्तान रखना ठीक नहीं होता। लेकिन इसके एकदम उलट कोहली कह रहे हैं कि टी-20 फॉरमैट की कप्तानी छोड़ने के उनके फैसले पर पुनर्विचार का सुझाव किसी ने नहीं दिया, बल्कि उसे एक अच्छे फैसले के रूप में लिया गया था। उनका यह भी कहना है कि वनडे फॉरमैट की कप्तानी से अलग करने का फैसला उन्हें अंतिम पलों में बताया गया। यह जानने का फिलहाल कोई तरीका नहीं कि दोनों में से किसका दावा सही है और किसका गलत, लेकिन इन दो परस्परविरोधी दावों का सामने आना ही यह बताता है कि बीसीसीआई तालमेल बनाकर चलने में सफल नहीं हो पाया। गांगुली के रूप में बीसीसीआई को ऐसा प्रेजिडेंट मिला है जो खुद न केवल एक बेहतरीन क्रिकेटर रहा है बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में भी गिना जाता है। यही नहीं अतीत में गांगुली खुद भी अपमानजनक व्यवहार का शिकार हो चुके हैं। इसलिए उनसे यह उम्मीद स्वाभाविक है कि कम से कम उनके कार्यकाल में खिलाड़ियों से सम्मानजनक व्यवहार होगा और बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी।

मौजूदा प्रकरण ने साफ कर दिया है कि इन दोनों ही मोर्चों पर अपना रेकॉर्ड दुरुस्त करने के लिए बोर्ड और उसके प्रेजिडेंट को खासी मशक्कत करनी होगी।

नए वेरिएंट की चुनौती

किरीट ए. चावड़ा

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर पूरी दुनिया में चिंता तो है ही, इसने नीति-निर्माताओं के सामने कई स्तरों पर चुनौतियां भी पेश की हैं। सबसे बड़ी समस्या तो इसकी स्पीड ही है। कुछ दिन पहले तक यह उम्मीद जताई जा रही थी कि चूंकि इसमें संक्रमण का नेचर माइल्ड है, इसलिए संभव है कि यह वेरिएंट ज्यादा तकलीफदेह न साबित हो। शायद, संक्रमित होने वालों के शरीर में इम्यूनिटी बने और इससे महामारी से लड़ने में मदद मिले। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगाह किया है कि माइल्ड इन्फेक्शन के बावजूद जिस तेजी से ओमिक्रॉन फैलता है, उसे देखते हुए बहुत संभव है कि इसकी भारी संख्या ही हेल्थ सिस्टम के लिए बड़ी चुनौती साबित हो। वैसे, यह भी याद रखने की जरूरत है कि इस वेरिएंट को लेकर अभी शुरुआती जानकारियां ही मिली हैं। इसके बावजूद कई देशों में कहा जा रहा है कि अगर लोगों ने सावधानी नहीं बरती और सख्ती से कोरोना प्रोटोकॉल पर अमल नहीं किया तो दिसंबर के आखिर तक हॉस्पिटल फिर से मरीजों से भर सकते हैं। यह सूचना भी कम गंभीर नहीं कि ज्यादातर देशों तक

यह वेरिएंट अपनी पहुंच बना चुका है, भले ही उन देशों में अभी इसके ज्यादा केस सामने न आए हों। जाहिर है, केसों की कम संख्या और हलके लक्षणों के आधार पर इसे गंभीरता से न लेना भारी पड़ सकता है। बहरहाल, अपने देश में, जैसा कि नीति आयोग के सदस्य और कोविड टास्कफोर्स चीफ डॉ. वीके पॉल ने कहा है, फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती यही है कि सभी वयस्कों को जल्द से जल्द टीके की दोनों डोज दी जाएं। बूस्टर डोज की बात भी तभी सोची जा सकती है, जब यह काम पूरा हो चुका हो। हालांकि बुरी से बुरी स्थिति की कल्पना करते हुए चलें तो एक स्थिति यह भी बनती ही है कि ओमिक्रॉन के सामने हमारे टीके बेअसर साबित हों। अगर इस पर ये काम कर भी गए तो शायद अगले वेरिएंट पर बेअसर हो जाएं। इसलिए एक्सपर्ट्स की यह बात सही है कि हमें ऐसे टीकों पर काम करना होगा, जो आने वाले वेरिएंट पर कारगर हों। अगर ये उन पर कारगर न भी हुए तो यह संभावना रहे कि थोड़ी कोशिश से उन्हें उन नए वेरिएंट के उपयुक्त बनाया जा सके। जैसे कि आसार बताए जा रहे हैं, नए वेरिएंट की यह चुनौती हर दो-तीन महीने पर भले न आए, साल में एक बार तो आ ही सकती है। याद रखने की एक और बात यह है कि यह चुनौती किसी एक देश की नहीं बल्कि वैश्विक है, इसलिए इससे मुकाबले को लेकर भी तमाम देशों के बीच तालमेल बढ़ाना होगा। ताकतवर और अमीर देशों की अधिक से अधिक वैक्सीन अपने लिए रखने की मौजूदा प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने और विभिन्न देशों में सहयोग की भावना मजबूत करने का काम जितनी जल्दी हो सके, उतना बेहतर होगा।

50 वर्षों में बांग्लादेश ने जादू ही तो किया है

जिगर डी वाढेर

बांग्लादेश को आजाद हुए 16 दिसंबर को 50 साल हो गए। जो देश कभी अंतरराष्ट्रीय मदद के भरोसे रहता था, वह इतने कम समय में मध्यम आय वाला मुल्क बन जाएगा, ऐसा हममें से शायद ही किसी ने सोचा हो। एक दशक से भी ज्यादा वक्त से बांग्लादेश की जीडीपी ग्रोथ 6 प्रतिशत बनी हुई है। शिशु जन्म दर 7 से नाटकीय ढंग से गिरकर 2.03 पर आ गई है। नवजात और शिशु मृत्यु दर में भी भारी गिरावट आई है। शिक्षा के मामले में लड़के-लड़कियों में फासला नहीं रह गया है। आपदा प्रबंधन में भी हम वैश्विक ताकत बन गए हैं। और हां, हमने अंडर 19 क्रिकेट वर्ल्ड कप भी जीता है। वह भी अपने बड़े पड़ोसी को हराकर! 50 बरसों में विकास को लेकर हमने एक जादू किया है। इस जादू के लिए जो रास्ता चुना गया, वह अनोखा है, बिल्कुल बांग्लादेशी। आखिर हम ये मुकाम हासिल कैसे कर पाए? प्रवासी हैं हीरो इतिहास, मौका और सरकार की होशियारी। ये बांग्लादेश की कामयाबी की बुनियाद हैं। 70 के दशक की शुरुआत में युद्ध और तबाही मचाने वाले तूफान से रिकवरी के साथ हमारा इतिहास शुरू हुआ। इसके लिए सामुदायिक स्तर पर पहल हुई, जिसमें गैर-सरकारी तंत्र ने बड़ी भूमिका निभाई। इस पहल में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने तकदीर संवारने का जिम्मा अपने हाथों में लिया। इसी पहल ने आगे चलकर बांग्लादेश में ताकतवर एनजीओ आंदोलन का रूप ले लिया। इस रिकवरी के असल नायक विदेश में काम करने वाले वर्कर्स थे। जो अपनी कमाई गांवों में रहने वाले अपने परिवार के पास भेजते रहे। इस रिकवरी के लिए हमें तकदीर की मदद और मौके की दरकार भी थी। तेल उत्पादक देशों (ओपेक) की अर्थव्यवस्था में जो तेजी आई, उससे वहां बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिला। उन वर्कर्स का भेजा गया पैसा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लगा, उनके घर की औरतों के जरिये। इन औरतों के खर्च करने का तरीका भी अलग था। उन्होंने उसका इस्तेमाल बच्चों को शिक्षित और हुनरमंद बनाने के लिए किया। इससे महिला सशक्तीकरण की भी शुरुआत हुई, जो बांग्लादेश के विकास की एक और अनोखी कहानी है।1971 युद्ध के 5 परमवीर जिनके नाम से आज भी कांप जाता है पाकिस्तान ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इस तरह से जो पैसा लगा, वह सरकारी योजनाओं से अधिक फायदेमंद साबित हुआ। गैर-सरकारी संस्थानों की पहल और इस निवेश ने सामुदायिक पहल को बढ़ावा दिया। लोगों में पहले से उद्यमशीलता थी। ये लोग दूसरी जगहों से आकर इस उपजाऊ क्षेत्र में बसे और लगातार आने वाली आपदाओं से जूझना और उबरना सीखा। तब तक वजूद बनाए रखने के लिए उन्होंने जो तरीके आजमाए, वही उसके बाद राष्ट्र निर्माण के काम आए। इतिहास ने हमारे सामने जो अवसर पेश किए, उसे लेकर सरकारों का रवैया भी सही रहा। दुनिया में बहुत कम ऐसे देश होंगे, जिन्होंने कर्ज, स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था का समर्थन किया होगा, जैसा बांग्लादेश में हुआ। सरकार ने 70 के दशक के आखिर में प्रवासियों की ओर से भेजे जाने वाले पैसों को देखते हुए फॉरेन एक्सचेंज रेट रिफॉर्म (विदेशी मुद्रा विनिमय सुधार) किए। इस तरह से उसने इसे लेकर ब्लैक मार्केट पर रोक लगाई।

गांवों में प्रवासियों की ओर से भेजी जानी वाली रकम, सामुदायिक स्तर पर सेवाएं देने के तंत्र के उभार और सशक्त एक्सचेंज रेट रिफॉर्म ने शुरुआती दौर में देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाई। फिर सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार किए। इससे किसानों को बाजार की ताकतों का फायदा उठाने का मौका मिला। युद्ध के बाद देश के कोने-कोने को सड़क और पुल बनाकर जोड़ा गया। मुझे याद है कि 70 के दशक की शुरुआत में ढाका से हमारे गांव पहुंचने में 9 घंटे लगते थे। आज यह सफर तीन घंटे से भी कम में पूरा हो जाता है। जिस 'बांग्लादेश' को दबाकर रखा, आज उसकी तरक्की के ये नंबर देख शर्म से पानी-पानी हो जाएगा पाक! मौके बनते रहे और सरकारें उसका फायदा उठाती रहीं। 80 के दशक में एक कोरियाई कंपनी बांग्लादेश में दाखिल हुई। किस्मत की ही बात है कि इस कंपनी ने बांग्लादेश को वैश्विक बाजार के लिए गारमेंट बनाना सिखाया। बांग्लादेश की एक कंपनी ने जो पहल की थी, सरकार की सहायता से उसे व्यापक फलक मिला। सरकार की पहल से सभी गारमेंट एक्सपोर्टर्स को बिना किसी टैक्स के आयातित कच्चा माल मिलने लगा। यह काम बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के जरिये किया गया।

बांग्लादेश ने शुरू में निर्यात के लिए अलग से जोन नहीं बनाए। इसके बजाय उसने वेयरहाउस सिस्टम का लाभ देश में कहीं के भी गारमेंट एक्सपोर्टर्स को दिया। इसलिए वे अपनी सहूलियत के हिसाब से कहीं भी फैक्ट्री लगा पाए। इससे इन कंपनियों को लागत कम रखने में मदद मिली। आज बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गारमेंट एक्सपोर्टर है। इस उद्योग से वहां के बड़े पैमाने पर युवा महिलाओं को रोजगार मिला है। कामगारों में महिलाओं की भागीदारी और बढ़ी है। नई औद्योगिक नीति 80 के दशक के मध्य में सरकार नई औद्योगिक नीति लेकर आई। भारत से पांच साल पहले। इस तरह से बांग्लादेश में एक झटके में 'लाइसेंस राज' का खात्मा हुआ। 80 के दशक के आखिर तक व्यापार के क्षेत्र में उदारीकरण हुआ। पहले जहां देश में जरूरत की चीजें बनाने पर ध्यान था, उस नीति को छोड़ दिया गया। सरकारी कंपनियों का अर्थव्यवस्था में दबदबा था। लेकिन समय के साथ सरकार ने ग्रामीण समुदाय और निजी कंपनियों की उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया। सच कहूं तो ये बदलाव आसान नहीं रहे। इन्हें सहज मानना बांग्लादेश के मुश्किल राजनीतिक सफर के साथ नाइंसाफी होगी। हमारा देश क्रूर राजनीतिक हत्याओं का गवाह बना।

बीजेपी हो या विपक्ष, सबने धर्म को बनाया मुद्दा

भूपेन्द्र पटेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के पहले स्नान के लिए जब गंगा में प्रवेश कर रहे थे तो तमाम विपक्षी दलों की सतर्क निगाहें उन्हीं पर लगी थीं। यह दृश्य विपक्षी दलों के नेताओं को बेचैन कर रहा था। उन्हें करोना काल में लोगों को हुई परेशानी, बढ़ती महंगाई और आवारा पशु जैसे मुद्दों के चलते इस बार अपनी फतह लगभग तय लग रही है। वैसे, उन्हें यह भी पता है कि बीजेपी बाजी पलटने में माहिर है। इसीलिए उसके हर कदम पर वे चौकन्ना हो जाते हैं। बहरहाल, अभी सवाल यह है कि बाबा विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के उद्घाटन पर बीजेपी ने पूरे राज्य में जो माहौल बनाया, क्या उसका असर चुनाव पर पड़ेगा? बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर उन आकांक्षाओं का प्रतीक है, जो करोड़ों हिंदुओं के मन में लंबे समय से पल रही थी। जाहिर है, बीजेपी बनारस के रास्ते पूरे भारत को एक बड़ा संदेश देना चाहती थी और एक हद तक उसमें सफल भी हुई। एक तीर, कई निशाने बीजेपी ने इस एक तीर से कई निशाने साधे हैं। नरेंद्र मोदी उन चंद लोगों में शामिल हो गए, जिन्होंने बाबा विश्वनाथ मंदिर का निर्माण और विकास में अपना योगदान किया। प्रधानमंत्री ने देर रात बनारस का दौरा किया विकास योजनाएं देखीं। दूसरे दिन विकास योजनाओं के बारे में ही बनारस आए सभी मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों के साथ लंबी बैठक की। इस तरह उन्होंने विपक्षी नेताओं के उस हथियार को भी बेअसर कर दिया कि बीजेपी सिर्फ धर्म की राजनीति करती है, विकास की नहीं। यह दिलचस्प है कि राजधानी दिल्ली या लखनऊ से नहीं बल्कि बनारस से धर्म और विकास के संदेश एक साथ भेजे गए। जो भारत को जानते हैं, उन्हें यह समझने में कोई दिक्कत नहीं होगी कि बनारस से भेजा गया संदेश इस देश के लोगों के गले के नीचे बहुत तेजी से उतरता है। लेकिन सवाल यहां यह उठ रहा है कि क्या उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड सहित पांच राज्यों के चुनाव धार्मिक मुद्दे के आधार पर लड़े जाएंगे? क्या बनारस में किया गया इतना बड़ा आयोजन सिर्फ चुनावी था? इस मुद्दे पर बहस हो सकती है, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस आयोजन ने अपने पीछे तमाम संदेश छोड़े हैं। बनारस से ही लगभग 8 बार विधायक रहे और पिछले दिनों बीजेपी से नाराज चल रहे श्यामदेव राय चौधरी इस आयोजन के बाद भरे गले से कहते हैं कि उनके पास बोलने के लिए कोई शब्द नहीं है। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि बाबा विश्वनाथ परिसर को इतनी भव्यता मिल जाएगी। फिर भी यह समर्थकों की बात हुई। यदि विरोधियों के दृष्टिकोण से देखें तो यह पूरा मामला धर्म के चुनावी इस्तेमाल का है। लेकिन यह मान भी लिया जाए कि बनारस में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन चुनावी लाभ के लिए किया गया था तो विपक्ष से भी वही सवाल पूछा जा सकता है कि क्या वह धर्म का सहारा नहीं ले रहा? बीजेपी जिस समय वाराणसी में मंदिर कॉरिडोर के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की भव्य तैयारियां कर रही थी, उस समय कांग्रेस की ओर से राजस्थान में महंगाई के विरोध में आयोजित एक रैली में पार्टी नेता राहुल गांधी हिंदू और हिंदुत्व के बारे में अपनी राय रख रहे थे। वह कह रहे थे कि हिंदुत्ववादियों को सत्ता से हटा कर हिंदुओं को सत्ता सौंप दी जानी चाहिए। हिंदुत्ववादी बर्बर हैं। राहुल गांधी का हमला बीजेपी पर था, लेकिन बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता इस हमले से भी खुश हैं।

वास्तव में उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले जिस तरह से धर्म-धर्म की आवाजें आ रही हैं, उसकी रोचक व्याख्याएं की जा रही हैं, उससे तो यही लगता है कि यह चुनाव धर्म के नाम पर लड़ने को सभी दल उतारू हो गए हैं। सभी को धर्म ही रास आ रहा है। कांग्रेस के एक नेता कहते हैं कि बीजेपी को उसी के हथियार से जवाब दिया जा सकता है और राहुल गांधी ठीक कर रहे हैं। बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'मैं भी तो कह रहा हूं कि वह बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे लोग इसी तरह बोलते रहें, सब ठीक हो जाएगा।'

वास्तव में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड सहित पांच राज्यों के चुनाव के समय जिस तरह से धर्म के नाम पर घात-प्रतिघात हो रहे हैं उससे तो यही लग रहा है कि सभी दलों की रणनीति धर्म के नाम पर चुनाव लड़ने की हो गई है। बीजेपी के चुनावी अभियान की शुरुआत अयोध्या से हुई थी और वह काशी होते हुए मथुरा तक जा पहुंची। लेकिन जो चुनाव कुछ दिन पहले तक विकास के मुद्दे पर लड़ा जा रहा था, वह धीरे-धीरे धर्म की तीखी बहसों पर सिमट रहा है कि धर्म का कौन कितना बड़ा लंबरदार है।

कोई पीछे नहीं

बीजेपी पर यह आरोप हमेशा से रहा है कि वह सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आधार पर चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन क्या कांग्रेस के नेता यह बता सकते हैं कि महंगाई के मुद्दे पर बुलाई गई रैली में ज्यादातर धर्म के नाम पर की चर्चा क्यों की गई? और समाजवादी पार्टी को अचानक जिन्ना की चर्चा करना जरूरी क्यों लगने लगा? समाजवादी पार्टी के सहयोगी ओमप्रकाश राजभर जैसे कई नेता लोगों को यह बताने के लिए क्यों बेचैन हो गए कि आजादी के नायक मोहम्मद अली जिन्ना थे। जिन्ना कब से नायक हो गए? यदि धर्म-धर्म खेलेंगे तो चुनाव में असर जरूर होगा। फिलहाल तो यही दिख रहा है कि इन राज्यों के चुनाव में धार्मिक मुद्दा भी अहम भूमिका में होगा। अब इसका सबसे ज्यादा लाभ कौन ले पाएगा, यह समय ही बताएगा।

एक क्लिक पर मिलेगी बेस्ट बस की पूरी जानकारी, यात्रियों के लिए जल्द लॉन्च होगा बेस्ट का नया ऐप

मुंबई, इस साल के अंत तक यात्रियों के लिए बृहन्मुम्बई इलेक्ट्रिक सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) द्वारा नया ऐप लाया जाएगा। इस ऐप का उपयोग कैशलेस टिकट के लिए हो सकेगा। इस मोबाइल ऐप को बेस्ट प्रशासन जल्द ही लॉन्च करने वाला है। ऐप का इस्तेमाल प्री-पेड या पोस्ट-पेड मोबाइल पर हो सकेगा।

ऐप पर रहेगा सुपर सेवर प्लान

15 दिसंबर को बेस्ट द्वारा यात्रियों को लुभाने के लिए सुपर सेवर प्लान की घोषणा की गई है। इस योजना में निश्चित दाम में यात्री को निश्चित ट्रिप मिलेंगी। एक ट्रिप की कीमत ₹1.99 रुपये जितनी होगी। ट्रिप की संख्या, प्लान की श्रेणी और प्लान के पीरियड के हिसाब से दाम देने होंगे। इस स्कीम में एक दिन के प्लान से लेकर 84 दिन के प्लान मौजूद होंगे। इसके अलावा दो ट्रिप से लेकर 150 ट्रिप का प्लान भी रहेगा। ये सभी प्लान मोबाइल ऐप पर उपलब्ध होंगे। सूत्रों के अनुसार इस सप्ताह ऐप लॉन्च करने की कोशिश होगी।

उपलब्ध होंगे 72 नए प्लान

बेस्ट प्रशासन यात्रियों के लिए 72 तरह के नए प्लान ला रहा है। इसमें से किसी एक प्लान को चुनना होगा। लोग ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने के अलावा पास भी निकाल सकते हैं, जिसके बाद कोई कागजी टिकट रखने की जरूरत नहीं होगी। बेस्ट अंडर्टेकिंग के महाप्रबंधक लोकेश चंद्रा के अनुसार, "हम जल्द ही ऐप लॉन्च करेंगे और इससे जनता को टिकट बुक करने या यात्रा में सुगमता होगी।" ये ऐप ई-वॉलेट या बैंक अकाउंट से लिंक होगी। भविष्य में इस ऐप पर नैशनल मोबिलिटी कार्ड भी उपलब्ध होगा।

पुराने पास से अलग होगा प्लान

सुपर सेवर प्लान के बाद पुराने पास की प्रक्रिया को बदल दिया जाएगा। पहले दूरी के अनुसार एक स्टॉप से दूसरे स्टॉप के बीच पास उपलब्ध होता था। यात्री को पास के लिए निश्चित बस स्टॉप को चुनना होता था। पास बनने के बाद इन्हीं बस स्टॉप के बीच यात्रा संभव थी। इसके अलावा एसी और नॉन एसी श्रेणी चुननी पड़ती थी। नई स्कीम के बाद यात्री बेस्ट के क्षेत्र में किसी भी रूट पर यात्रा कर सकता है। इसमें केवल किराए की श्रेणी चुनना होगा। उस किराए की श्रेणी में एसी या सामान्य बस किसी को भी चुनने की आजादी होगी।

बसों की स्थिति का चलेगा पता

इस ऐप से बसों की स्थिति का भी पता चलेगा। इसके अलावा बस कितने समय में स्टॉप पर आएगी, इसकी भी सूचना दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार बस में भीड़ है या खाली है, इसका भी अंदाजा लगेगा। बसों में कार्ड रीडर भी उपलब्ध होगा। बसों में जीपीएस लगाए गए हैं, जिससे मिलने वाली सूचना को ऐप में शामिल किया जाएगा। ऐप में जीपीएस का भी उपयोग किया जा सकेगा, ताकि बस और उसमें यात्रियों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सके।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर 8 लाख जुर्माना

नवी मुंबई के एक रिहायशी कॉम्प्लेक्स में रहने वाली महिला पर करीब 8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। महिला का आरोप है कि सोसाइटी की मैनेजमेंट कमेटी ने कैंपस के अंदर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर यह कार्रवाई की है। अंशु सिंह नाम की यह महिला नवी मुंबई के सी-वुड एस्टेट के NRI कॉम्प्लेक्स में रहती हैं। इस कॉम्प्लेक्स में 40 से ज्यादा इमारतें हैं। अंशु सिंह के मुताबिक, कैंपस में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर उन पर जुलाई से 5 हजार रुपए रोज के हिसाब से जुर्माना लगाया जा रहा है। यह रकम लगभग 8 लाख रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ बेजुबानों को खाना दिया था, सोसाइटी ने मुझ पर गंदगी फैलाने का आरोप लगा दिया। सफाई में सोसाइटी ने यह कहा अंशु सिंह के मुताबिक, इससे पहले सोसाइटी के एक और रेजिडेंट पर 6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था। रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स की सेक्रेटरी विनीता श्रीनंदन ने बताया कि ट्यूशन जाते समय बच्चे आवारा कुत्तों के पीछे भागते हैं और बुजुर्ग कुत्तों के डर के कारण कहीं आ-जा नहीं सकते। हमने आवारा कुत्तों के लिए एक बाड़ा बनाया है, लेकिन कुछ सदस्य अब भी इन जानवरों को खुले में खाना खिलाते हैं। इसलिए हमने जुर्माने का प्रावधान रखा है।

नागपुर मनपा घोटाले की गहन जांच करें

नागपुर। नागपुर महानगरपालिका एम्प्लाइज यूनियन अध्यक्ष जम्मू आनंद ने कहा कि मनपा में वरिष्ठ अधिकारियों की प्रशासन पर पकड़ ढीली हो गई है, या उन्हीं के आशीर्वाद से घोटाले के अंजाम दिया गया है। सामग्री आपूर्ति किए बिना एक कंपनी को लाखों रुपए भुगतान का चेक दिया गया। कंपनी मालिक ने चेक बैंक में भुनाया नहीं। मनपा द्वारा वापस मांगने पर लौटा दिया गया। मनपा ने उसे वापस भी ले लिया, यह बड़ी अजीब स्थिति है। इस मामले में बड़े अधिकारियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस मामले को गंभीरता से लेकर गहन जांच होनी चाहिए।

कोरोनाकाल में फर्जी बिल बनाकर खूब लूटा

नागपुर । कोविड की आपदा को मनपा में भ्रष्टाचारी प्रवृत्ति ने अवसर में बदल दिया। स्वास्थ्य विभाग में स्टेशनरी घोटाला सामने आने पर अब सभी विभागों की जांच शुरू हो गई हैं। अतिरिक्त आयुक्त दीपक कुमार मीणा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। घनकचरा प्रबंधन, लाइब्रेरी, जन्म-मृत्यु, शिक्षण विभाग जांच कमेटी के रडार पर हैं। कोविड के बहाने करोड़ों की चपत : कोविड से निपटने आवश्यक सामग्री की पूर्व निर्धारित दर पर बिना निविदा के खरीदी की गई। मनपा में विविध पदों पर बैठे मौका परस्तों ने अधिकार का दुरुपयोग कर बिना सामग्री खरीदी किए सप्लायर भुगतान कर कोविड के बहाने करोड़ों रुपए की चपत लगाई गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिना प्रावधान किए गए 41 फाइलों का 67 लाख रुपए भुगतान किए जाने का मामला सामने आने पर खलबली मच गई। अन्य विभागों में भी इस तरह के घोटाले की आशंका को दूर करने आयुक्त राधाकृष्णन बी. ने सभी विभागों की जांच के आदेश दिए हैं। अतिरिक्त आयुक्त दीपक कुमार मीणा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित कर जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक सप्ताह में जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

फूल बरसाकर बच्चों का स्वागत

नागपुर। पौने दो साल बाद गुरुवार को विद्यार्थियों की आवाज से स्कूल गूंज उठे। कोविड संक्रमण की कश्मकश के बीच, पहली से सातवीं कक्षा के स्कूल खुल गए। पहले दिन स्कूलों में विद्यार्थियों पर पुष्पवृष्टि कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों में भी स्कूल खुलने का उत्साह दिखाई दिया। मनपा के विवेकानंद नगर हिंदी उच्च प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल में शिक्षण समिति सभापति प्रा. दिलीप दिवे, क्रीड़ा समिति सभापति प्रमोद तभाने, शिक्षणाधिकारी प्रीति मिश्रीकोटकर ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। पहले ही दिन शहर के स्कूलों में 1 लाख, 223 विद्यार्थियों ने दस्तक दी। उपस्थित विद्यार्थियों का प्रमाण 40% रहा।

बैंकों की हड़ताल से 2800 करोड़ का कारोबार प्रभावित

नागपुर। निजीकरण के खिलाफ यूनियन फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर देश भर में बैंकों की गुरुवार से दो दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई है, जिसके कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित हुआ है। बैंक कर्मचारियों, अधिकारियों और प्रबंधकों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण और बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक पेश करने के केंद्र सरकार के कदम के खिलाफ हड़ताल पर हैं। इस विधेयक को सरकार संसद के मौजूदा सत्र में पेश करने वाली है।

शराब ले जा रहा वाहन जब्त,चालक गिरफ्तार

खामगांव। अवैध तौर पर शराब ले जा रहे महिंद्रा पिकअप शहर पुलिस ने पकड़कर 21 हजार की शराब समेत वाहन जब्त करने की कार्रवाई मंगलवार 14 दिसम्बर को नांदूरा मार्ग पर की गई। मामले में वाहन चालक के खिलाफ विविध धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानाकरी के अनुसार मिली जानकारी के आधार पर शहर पुलिस ने नांदूरा मार्ग पर स्थित फॉरेस्ट ऑफिस के समीप महिंद्रा पिकअप क्र. एमएच 28 एबी 5426 को रोककर तलाशी लेने पर उसमें विविध प्रकार की शराब नजर आई। इससे पुलिस कर्मियों ने पिकअप चालक युवराज ज्ञानेश्वर सोनवने (29) निवासी शमलदे तहसील मुक्ताईनगर जिला जलगांव जा को कब्जे में लेकर 21 हजार रूपये कीमत की शराब तथा महिंद्रा पिकअप वाहन, ऐसा कुल 2 लाख 23 हजार 360 रूपये का माल जब्त किया। इस मामले में चालक सोनवने के खिलाफ धारा 65 ई मुप्रोका के तहत अपराध दर्ज किया है। आगे की जांच थानेदार के मार्गदर्शन में पुलिस कर्मचारी कर रहे हैं।

भारी पैमाने पर जाली नोट बरामद !, हिरासत में 2

खामगांव। बुधवार की शाम खामगांव पुलिस ने सिने स्टाईल से वाहन का पीछा कर जाली नोटों को बरामद कर 2 अपराधियों को हिरासत में लिया है। इस घटना से खामगांव शहर परिसर में खलबली मची है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार 15 दिसंबर की शाम खामगांव पुलिस ने प्राप्त गुप्त जानकारी पर जाल बिछाकर सीने स्टाइल में वाहन का पीछा करते हुए 2 अपराधियों को हिरासत में लिया। इस दौरान मामले की जानकारी देने में पुलिस विभाग ने काफी गोपनीय रखते देर रात तक कार्रवाई जारी थी। राष्ट्रीय महामार्ग से एम एच 30-ए एफ 4295 नंबर की कार से 2 लोग जाली नोट ले आने की गुप्त जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक की टीम को मिली। जिसके आधार पर अपर पुलिस अधीक्षक इन्होंने जाल बिछाया। अकोला मार्ग से कार खामगांव की ओर आते समय दस्ते ने टेंभूर्णा मोड़ से जाली नोट लेकर आ रही कार का पीछा शुरू किया।

भारी पैमाने पर जाली नोट बरामद !, हिरासत में 2

खामगांव। बुधवार की शाम खामगांव पुलिस ने सिने स्टाईल से वाहन का पीछा कर जाली नोटों को बरामद कर 2 अपराधियों को हिरासत में लिया है। इस घटना से खामगांव शहर परिसर में खलबली मची है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार 15 दिसंबर की शाम खामगांव पुलिस ने प्राप्त गुप्त जानकारी पर जाल बिछाकर सीने स्टाइल में वाहन का पीछा करते हुए 2 अपराधियों को हिरासत में लिया। इस दौरान मामले की जानकारी देने में पुलिस विभाग ने काफी गोपनीय रखते देर रात तक कार्रवाई जारी थी। राष्ट्रीय महामार्ग से एम एच 30-ए एफ 4295 नंबर की कार से 2 लोग जाली नोट ले आने की गुप्त जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक की टीम को मिली। जिसके आधार पर अपर पुलिस अधीक्षक इन्होंने जाल बिछाया।

विधायक हुआ सेक्सटॉर्शन का शिकार, अश्लील विडियो भेजकर की पैसों की मांग

मुंबई, दहिसर पुलिस ने सत्ताधारी पार्टी के एक विधायक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ आईटी ऐक्ट समेत अन्य प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता शिवसेना के नेता हैं और वर्तमान में उत्तर मुंबई के एक विधानसभा चुनाव क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पीड़ित विधायक ने शिकायत में बताया है कि 11 नंवबर से 17 नंवबर के बीच उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया था। 11 नंवबर को उस कॉलर ने उनके वॉट्सएप नंबर पर 'आप कैसे हो' संदेश भेजा था, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया। इसके बाद 13 नंवबर को भी सामने वाले ने उन्हें मेसेज किया, जिसे उन्होंने व्यस्तता के कारण नजरअंदाज किया। इसके बावजूद उस अज्ञात व्यक्ति ने 16 नंवबर को उनके वॉट्सएप पर विडियो कॉल किया। इसे भी उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन, 17 नंवबर को लगातार विडियो कॉल और मेसेज आने की वजह से उन्होंने सोचा कि कोई व्यक्ति अतिआवश्यक कार्य से लगातार कॉल एवं मेसेज कर रहा है। यह सोचकर जैसे ही विडियो कॉल रीसिव किया, एक महिला दिखाई दी, जो अश्लील हरकत करती हुई नजर आई। उन्होंने तुंरत कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। मगर, उसके अगले दिन एक अनजान नंबर से विडियो आया, जिसमें उनका मॉर्फ अश्लील विडियो था। धमकी भरा एक संदेश भी आया, जिसमें उनसे 5 हजार रुपये मांगे गए थे। नहीं देने पर विडियो वायरल करने की धमकी थी।

आरटीओ का काम होगा तेज, 15 साल बाद हुई नई भर्तियां

मुंबई, महाराष्ट्र राज्य परिवहन विभाग में इन दिनों कई नई गतिविधियां हो रही हैं। इनमें से एक ये भी है कि करीब 15 साल बाद करीब 400 पदों पर भर्तियां हुई हैं। इनमें असिस्टेंट इंस्पेक्टर के पद की नियुक्तियां हुई हैं। स्टेट ट्रांसपोर्ट ने उम्मीद जताई है कि इन पदों को भरने के बाद अब लोगों के आरटीओ संबंधित कामों में तेजी आएंगी।

हाल ही में मिले थे अधिकार

नया मोटर वीइकल ऐक्ट 1 दिसंबर से लागू हुआ है। इसमें कार्रवाई का अधिकार कई आरटीओ कर्मचारियों को भी दिया है। दूसरी ओर कर्मचारियों की कमी के कारण आरटीओ के कार्यालय संबंधित काम पूरे नहीं हो पा रहे थे, इसलिए एमवी ऐक्ट से संबंधित कार्रवाई करना मुश्किल था। मसलन स्पीड से वाहन चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, वाहन के पंजीकरण, परमिट जैसे कार्यों के लिए असिस्टेंट इंस्पेक्टर, सब असिस्टेंट इंस्पेक्टर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर लेवल के कर्मचारियों को कार्रवाई का अधिकार दिया है। अब तक इस श्रेणी में कर्मचारी नहीं होने के कारण कार्रवाई की ओर ट्रांसपोर्ट विभाग का ध्यान नहीं जा रहा था।

कार्रवाई के लिए नहीं थीं टीमें

मुंबई में करीब 40 लाख पंजीकृत वाहन हैं। मुंबई में चार आरटीओ कार्यालय हैं, लेकिन हर आरटीओ में बमुश्किल एक फ्लाइंग स्क्वॉड है। एक फ्लाइंग स्क्वॉड में तीन से चार लोग होते हैं, यानी मुंबई के करीब 40 लाख वाहनों पर कार्रवाई करने के लिए करीब 16 लोग उपलब्ध थे। बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए रिक्त पदों की भर्तियां जरूरी थीं। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अविनाश ढाकने के अनुसार नए पदों की नियुक्तियों के बाद कार्रवाई में भी तेजी आई है। पिछले दस दिनों से निजी बसों पर आरटीओ की कार्रवाई जारी है। इन बसों में अवैध तरीके से सामान ट्रांसपोर्ट होता है।

लाइसेंस के काम में आएगी तेज़ी

आरटीओ कार्यालयों में जब आप लाइसेंस बनवाने जाते हैं, तब इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारी को प्रक्रिया पूरी करनी होती है। स्टाफ की कमी के कारण इस प्रक्रिया में समय लगता था। लाइसेंस के लिए अपॉइंटमेंट भी देरी से मिलता था। अब इन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टाफ मौजूद होगा। इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारियों को असिस्ट करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्तियां हुई है। ऐसे में, लर्निंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और लाइसेंस के नवीनीकरण में भी तेजी आएगी।

लागू हुए नए नियम

महाराष्ट्र में नए मोटर वीइकल ऐक्ट को लागू कर दिया गया है। इसके बाद वाहन से जुड़े कई अपराध में जुर्माना और सजा बढ़ाई गई है। मसलन, धूप से बचने के लिए विंडो मिरर पर काले रंग की प्लास्टिक फिल्म लगाई जाती है, जो अपराध है। अब नए अधिनियम लागू होने के बाद वाहन मालिक को ₹1500 रुपये तक जुर्माना देना होगा, जुर्माने की राशि पहले ₹200 थी। मोटर वीइकल ऐक्ट की धारा 177 के अंतर्गत पहली बार पकड़े जाने पर ₹500 रुपये और उसके बाद ₹1500 रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

वाहन चलाते हुए धूम्रपान करने पर अब दोषी ड्राइवर या व्यक्ति को ₹500 से ₹1500 रुपये तक का जुर्माना देना होगा। दोषियों पर कार्रवाई करने का अधिकार आरटीओ निरीक्षक के अलावा ट्रैफिक पुलिस के कॉन्स्टेबल को भी दिया गया है। अनधिकृत पार्किंग के लिए जुर्माना लगभग दोगुना कर दिया गया है।

शीना बोरा केस में सबसे बड़ा टर्न-हत्या की आरोपी मां इंद्राणी का दावा- मेरी बेटी जिंदा है, CBI कश्मीर जाकर उसकी तलाश करे

मुंबई में 2012 में हुए शीना बोरा हत्याकांड में सबसे बड़ा टर्न आ गया है। शीना की हत्या की आरोपी उसकी मां इंद्राणी मुखर्जी ने दावा किया है कि उनकी बेटी जिंदा है। इंद्राणी अभी भायखला जेल में बंद हैं। इंद्राणी का दावा है कि जेल में बंद एक साथी महिला कैदी ने शीना से कश्मीर में मुलाकात की है।

इंद्राणी ने CBI डायरेक्टर को इस बारे में एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपील की है कि शीना बोरा को कश्मीर में तलाश किया जाए। केस की जांच CBI ही कर रही है। इंद्राणी पर अपनी बेटी की कार में गला दबाकर हत्या करने और उसके शव को जमीन में गाड़ने का आरोप है।

28 दिसंबर को विशेष अदालत में रखी जाएगी चिट्ठी

इंद्राणी की इस चिट्ठी को 28 दिसंबर को CBI की विशेष अदालत में रखा जाएगा। इस दिन उनकी जमानत अर्जी पर भी फैसला होना है। इससे पहले इंद्राणी की जमानत अर्जी 6 बार खारिज की जा चुकी है। हर बार इंद्राणी ने बेल के लिए अलग-अलग वजहें बताई थीं।

साल 2015 से मुंबई की भायखला जेल में बंद हैं इंद्राणी मुखर्जी। अलग-अलग अदालत से इनकी 6 बार जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं।

CBI शीना बोरा केस क्लोज करना चाहती है

CBI ने शीना बोरा मर्डर केस में जांच बंद करने का फैसला किया है। पिछले दिनों CBI ने मुंबई की स्पेशल कोर्ट में कहा था कि 2012 में हुए इस मर्डर को लेकर उसकी जांच पूरी हो गई है। CBI ने इस मामले में तीन चार्जशीट और दो सप्लीमेंटरी चार्जशीट फाइल की हैं। इनमें इंद्राणी मुखर्जी, उसके ड्राइवर श्यामवर राय, पूर्व पति संजीव खन्ना व पीटर मुखर्जी को आरोपी बनाया गया है।

क्या है शीना बोरा हत्याकांड

शीना बोरा हत्याकांड का खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने इंद्राणी मुखर्जी के ड्राइवर श्यामवर राय को बंदूक के साथ गिरफ्तार किया। राय ने बताया था कि शीना की हत्या साल 2012 में इंद्राणी मुखर्जी ने एक कार में गला दबाकर की थी।

इंद्राणी के गिरफ्तारी के बाद उनके पूर्व पति संजीव खन्ना को भी बेटी की हत्या में मदद करने और सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

अपने दूसरे पति पीटर मुखर्जी को इंद्राणी ने बताया था कि शीना उसकी बहन है। शीना बोरा और पीटर मुखर्जी के बेटे राहुल मुखर्जी के बीच भी करीबी थी।

शीना के अचानक साल 2012 में गायब हो जाने के बाद राहुल ने उसे तलाशने का काफी प्रयास किया। जब मामला सामने आया तो जांच में पता चला कि इंद्राणी ने मुंबई के बांद्रा में शीना की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को रायगढ़ जिले में दफना दिया।

जांच एजेंसियों का दावा था कि शीना बोरा के अवशेष भी मिले थे। इंद्राणी ने इसे खारिज कर दिया था।

इंद्राणी के बाद CBI ने उनके दूसरे पति पीटर मुखर्जी को भी गिरफ्तार किया था, जिन्हें 2020 में जमानत मिल गई थी। ट्रायल के दौरान ही इंद्राणी और पीटर ने 17 साल चली अपनी शादी के बाद 2019 में तलाक ले लिया था।

6 तारीखों में खुला शीना की हत्या का राज 24 अप्रैल 2012 को शीना बोरा की रायगढ़ में हुई हत्या। शीना का गला घोंटा गया, फिर उसे पेट्रोल डालकर जला गया। लाश एक सूटकेस में डालकर खोपोली रोड पर फेंक दी गई। 23 मई, 2012 पुलिस को एक सड़ चुकी लाश के अवशेष मिले। 21 अगस्त 2015 को श्यामवर राय को अवैध असलहों के साथ पकड़ा गया। 22 अगस्त 2015 को राय ने खुलासा किया कि इंद्राणी ने की शीना की हत्या।

25 अगस्त 2015 को खार पुलिस ने इंद्राणी को गिरफ्तार किया।

26 अगस्त 2015 को पुलिस ने इंद्राणी के पूर्व पति और शीना बोरा मर्डर केस में सह-आरोपी संजीव खन्ना को अरेस्ट किया।

लोग ब्रांडेड उत्पादों का उपयोग क्यों करना पसंद करते हैं?

ऑनलाइन खरीदारी हो या ऑफलाइन, आज के उपभोक्ता की कहीं न कहीं ब्रांडेड उत्पाद खरीदने की इच्छा होती है। हर कोई नहीं बल्कि हम में से अधिकांश लोग इन उत्पादों की ओर आकर्षित होते हैं। यह भी देखा गया है कि कुछ लोग जिनके पास खर्च करने की अधिक क्षमता नहीं है, वे भी ब्रांडेड उत्पादों को खरीदना पसंद करते हैं। जबकि कई बार खर्च करने की अच्छी क्षमता वाले कुछ लोग गैर-ब्रांडेड उत्पाद खरीदते हैं लेकिन वे संख्या में कम हैं।

यदि उपभोक्ता को खरीदने का विकल्प दिया जाता है तो वह हमेशा कम कीमत वाले "गैर-ब्रांड" उत्पाद के लिए एक ब्रांडेड उत्पाद को प्राथमिकता देता है। ... दूसरी ओर, ब्रांडेड उत्पादों को विश्वसनीय और मूल्य में उच्च माना जाता है। जब कोई ग्राहक किसी ब्रांड नाम के उत्पाद पर भरोसा करता है तो वह उत्पाद/सेवा को बार-बार खरीदने की सबसे अधिक संभावना रखता है।

1. ब्रांड मन की शांति प्रदान करते हैं।

उपभोक्ता अपने जीवन में आराम, खुशी और संतुष्टि चाहते हैं, और वे इसे अपने द्वारा खरीदे गए उत्पादों के माध्यम से प्राप्त करते हैं। यदि वे जिन ब्रांडों का उपयोग करते हैं, वे लगातार सकारात्मक अनुभव प्रदान करते हैं, तो उपभोक्ता एक राय बनाते हैं कि ब्रांड भरोसेमंद है, जो उन्हें खरीदते समय मन की शांति देता है।

2. ब्रांड सुरक्षा प्रदान करते हैं।

लोग, स्वभाव से, जोखिम से बचते हैं और सुरक्षा चाहते हैं। कल्पना कीजिए कि आप एक अपरिचित शहर में एक व्यापार यात्रा पर हैं, और आपको रात के खाने के लिए एक रेस्तरां चुनना होगा। आप स्थानीय ब्रांड के बजाय राष्ट्रीय रेस्तरां ब्रांड चुनने की सबसे अधिक संभावना रखते हैं क्योंकि आप राष्ट्रीय ब्रांड से परिचित हैं। यह सुरक्षित और अनुमानित विकल्प है क्योंकि आप जानते हैं कि क्या उम्मीद करनी है। ब्रांड सुरक्षा प्रदान करते हैं और निराशा के जोखिम को कम करते हैं।

3. यह आपकी स्थिति को दर्शाता है।

आपके पास कौन सा स्मार्टफोन है? आप कौन सी कार चलाते हैं? आप कौन से जूते पहनते हैं? हम जिन ब्रांडों का उपयोग करते हैं, वे इस बारे में एक बयान देते हैं कि हम कौन हैं और हम कौन बनना चाहते हैं। लोग अपने द्वारा उपयोग किए जाने वाले ब्रांडों से भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं और उन्हें अपनी स्वयं की छवि के हिस्से के रूप में देखते हैं। ऐप्पल का क्लासिक "आई एम ए पीसी / आई एम ए मैक" अभियान दिखाता है कि ब्रांड अपने उपयोगकर्ताओं के व्यक्तित्व और आत्म-धारणा को कैसे प्रतिबिंबित कर सकते हैं।

4. ब्रांड मूल्य जोड़ते हैं।

उपभोक्ता गैर-ब्रांडेड या जेनेरिक उत्पादों की तुलना में ब्रांडों के लिए अधिक कीमत क्यों चुकाते हैं? क्या यह बेहतर गुणवत्ता, रूप और अनुभव है, या यह समाज में ब्रांड का कद है? यह शायद प्रत्येक का संयोजन है। सफलतापूर्वक ब्रांडेड उत्पाद प्रीमियम कीमतों को नियंत्रित करके अपनी कंपनियों के लिए अधिक पैसा कमाते हैं।

5. ब्रांड निर्णय लेने में समय बचाते हैं।

तो आप एक नए एचडीटीवी के लिए बाजार में हैं और अमेज़ॅन को खोजने का फैसला करते हैं। आप "H D T V " टाइप करें और 101,685 परिणाम प्राप्त करें। आप सूची को प्रबंधनीय विकल्पों की संख्या तक कैसे कम करते हैं? आप एक ब्रांड चुनें। "सैमसंग एचडीटीवी" टाइप करें और आप अपनी पसंद को घटाकर 1,319 कर दें। एक ब्रांड चुनने से अव्यवस्था को कम करने में मदद मिलती है, जिससे आप जो खोज रहे हैं उसे ढूंढना आसान हो जाता है।

6. ब्रांड उपभोक्ताओं को साझा करने का एक कारण देते हैं।

जिन चीज़ों का हम अनुभव करते हैं, उनके बारे में हम सभी की राय होती है, और हम उन्हें दूसरों के साथ साझा करना पसंद करते हैं। चाहे वह एक अच्छी किताब हो, एक अच्छी फिल्म हो, या एक बढ़िया भोजन हो, जब हम सकारात्मक ब्रांड अनुभव साझा करते हैं तो हम ब्रांड के पैरोकार बन जाते हैं। हमारी तेजी से बढ़ती सामाजिक दुनिया में, हमारे पास अपने अनुभवों के लाभ को फैलाने के लिए पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। मजबूत ब्रांड उपभोक्ताओं को अपने अनुभव साझा करने का एक कारण देते हैं।

➔ ***ब्रांडेड उत्पाद खरीदने से पहले कृपया उनकी गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धियों के अन्य समान उत्पादों और अन्य समान उत्पादों के बाजार मूल्य की जांच करने के लिए ध्यान रखें। उत्पाद खरीदने से पहले उसके समग्र मूल्य, सुरक्षा और जीवन पर विचार करें।***

डायबिटीज हो या त्वचा संबंधी समस्या, एलोवेरा जूस का सेवन है बेहद फायदेमंद

दुनियाभर में स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्षों से कई सारी औषधियों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। एलोवेरा, ऐसे ही एक पौधे की प्रजाति है जिसमें कई औषधीय और पोषण संबंधी गुण मौजूद होते हैं, जिसे शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद माना जाता है। जलन और घाव के इलाज से लेकर त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने तक के लिए एलोवेरा जेल को प्रयोग में लाया जाता है। पर क्या आप जानते हैं, जेल के साथ एलोवेरा का जूस भी सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचा सकता है? यही कारण है कि आयुर्वेद विशेषज्ञ रोजाना एलोवेरा जूस के सेवन की सलाह देते हैं।अध्ययनों से पता चलता है कि एलोवेरा जूस में कई ऐसे पोषक तत्व और विटामिन्स पाए जाते हैं, जिनसे सेहत को विशेष लाभ मिल सकता है। इसमें बीटा-कैरोटीन भी पाया जाता है जो एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करता है और रेटिना-कॉर्नियल फ़ंक्शन सहित आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है। आइए रोजाना इस जूस के सेवन से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं। पाचन के लिए बेहद फायदेमंदजिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या बनी रहती है उनके लिए एलोवेरा के जूस का सेवन करना विशेष लाभप्रद माना जाता है। एलोवेरा के पौधे के बाहरी भाग में एंथ्राक्विनोन नामक यौगिक होते हैं जिसे लैक्सेटिव के रूप में काफी फायदेमंद माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जिन लोगों को अक्सर पाचन संबंधी समस्या बनी रहती है, उनके लिए रोजाना एलोवेरा जूस के सेवन करना बेहद फायदेमंद हो सकता है।

डायबिटीज रोगियों को पीना चाहिए एलोवेरा जूसस्वास्थ्य विशेषज्ञ डायबिटीज के रोगियों के लिए एलोवेरा के जूस का सेवन करना फायदेमंद मानते हैं। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल फ़ार्मेसी एंड थेरेप्यूटिक्स में प्रकाशित 2016 के एक मेटा-विश्लेषण के अनुसार, प्रीडायबिटीज और टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों में ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में एलोवेरा का सेवन करना विशेष लाभदायक हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि एलोवेरा जूस का रोजाना सेवन करने वाले लोगों में फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित बना रह सकता है।

त्वचा और बालों की सेहत के लिए फायदेमंदएलोवेरा का जूस, त्वचा को चिकनी, चमकदार और साफ बनाए रखने में मदद करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है। इसके जेल का उपयोग त्वचा पर जलन और निशान से छुटकारा दिला सकता है। इसका उपयोग त्वचा के साथ-साथ खोपड़ी के मॉइस्चराइजिंग के रूप में भी किया जा सकता है। एलोवेरा के जूस का सेवन करने से त्वचा को अंदरूनी लाभ प्राप्त होता है।

सभी लोगों को रोजाना करने चाहिए सांस वाले योगासन, सेहत को मिलेंगे गजब के फायदे

कोरोना महामारी की शुरुआत से ही लोगों को अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देने के लिए जोर दिया जा रहा है। इसमें भी श्वसन प्रणाली को मजबूत करने के महत्व पर विशेषज्ञ अधिक ध्यान देने की सलाह देते हैं। नोवेल कोरोनावायरस श्वसन प्रणाली की बीमारी होने के कारण फेफड़ों के ऊतकों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है, जिससे सांस फूलने और बलगम बनने जैसी समस्या देखने को मिलती है। कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर में लोगों में सांस से संबधित दिक्कतें अधिक देखने को मिली थीं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक दैनिक जीवन में सांस से संबंधित योगाभ्यासों को शामिल करके वायु मार्ग साफ रखा जा सकता है, जिससे फेफड़ों की क्षमता भी बढ़ती है। सांस लेने वाले इन व्यायामों को मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभदायक माना जाता है। जो लोग कोविड-19 के शिकार रह चुके हैं, उनके लिए तो इन व्यायामों का अभ्यास करना और भी आवश्यक हो जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसे ही तीन सांस वाले योग अभ्यास के बारे में जानते हैं जिनका सभी लोगों को रोजाना अभ्यास जरूर करना चाहिए। कपालभाति प्राणायाम है फायदेमंदकपालभाति, दो शब्दों से मिलकर बना है- कपाल का अर्थ है खोपड़ी और भाति का अर्थ है चमकना। इस ब्रीदिंग एक्सरसाइज से शरीर में गर्मी पैदा होती है जो विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से निकालने में मदद करती है। मेटाबॉलिज्म की दर में सुधार करने के साथ लिवर और किडनी के कार्य को बढ़ावा देने में भी इस योग के अभ्यास को लाभदायक माना जाता है। कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में इस व्यायाम को न करने की सलाह दी जाती है, इस बारे में किसी योग विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें। भस्त्रिका प्राणायाम भस्त्रिका प्राणायाम और कपालभाति आमतौर पर समान दिखते हैं लेकिन वास्तव में दोनों काफी अलग हैं। सांस लेने के इस व्यायाम के लिए आपको तेजी से सांस लेने और छोड़ने की आवश्यकता होती है। यह योगाभ्यास शरीर में गर्मी पैदा करता है और फेफड़ों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक माना जाता है। हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित लोगों को इससे बचना चाहिए। मूर्छा प्राणायाममूर्छा प्राणायाम के अभ्यास को सेहत के लिए विशेष लाभदायक माना जाता है। इस अभ्यास को करते समय एक व्यक्ति को धीरे-धीरे सांस लेनी होती है और इसे लंबे समय इसे अंदर रखना होता है। फेफड़ों के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने के लिए रोजाना इस योग का अभ्यास किया जा सकता है।

लंबे समय बाद लोगों ने किया घूमना शुरू, लेकिन कोरोना ने नहीं छोड़ा पीछा

कोरोना काल में लोग घरों में कैद होने को मजबूर थे। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन लगा। कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए। दूसरी कोविड वेव के बाद जब लॉकडाउन हटा और प्रतिबंधों में छूट मिली तो लंबे समय से घरों में बंद लोगों ने यात्रा का प्लान बनाया। लोग घूमने के लिए निकले। कोई शहर के पार्क, मॉल या बाजार में जाने को बेताब दिखा तो कोई घर शहर से दूर पर्यटन स्थलों पर यात्रा करना चाहते थे। साल 2021 में उन्होंने घूमना तो शुरू कर दिया लेकिन कोरोना ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। घर से बाहर निकलने के बाद भी घूमने व यात्रा के दौरान वह पहले जैसे माहौल में वापस नहीं जा सके। यात्रा की अनुमति तो मिली लेकिन पहले जैसे नहीं। कुछ एहतियात, कुछ प्रतिबंध उनके साथ हमेशा रहे।

यात्रा के दौरान सावधानीकोरोना काल के बाद प्रतिबंध हटे लेकिन घर से बाहर निकलने पर सावधानियां रखने के निर्देश जारी रहे। मास्क के बिना घूमना प्रतिबंधित रहा। सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्केनिंग, सैनेटाइजेशन ये सब जरूरी हिस्सा हो गया। किसी माल जाना हो या शहर से बाहर यात्रा पर, सभी जगह इन एहतियात को मानना अनिवार्य हो गया।

यात्रा के दौरान कुछ प्रतिबंधभले ही कोरोना के दूसरी वेव के बाद लोगों ने घूमना शुरु किया लेकिन कुछ प्रतिबंध लगे रहे। जैसे- सिनेमा हॉल में कम लोगों की एंट्री, एक सीट छोड़ कर बैठना,

कई सारे पर्यटन स्थल तब भी बंद रहे। कई देशों में जाने पर रोक, कई मंदिरों में पास से दर्शन पर रोक लगी रही। इसलिए चाहते हुए भी लोग अपनी पसंद की कुछ जगहों पर नहीं जा सकते थे।

कुछ डेस्टिनेशन रहे बंदकई मंदिर लोगों के लिए बंद रहे। जैसे उज्जैन का महाकाल मंदिर, लॉकडाउन के बाद आप मंदिर के दर्शन तो कर सकते थे लेकिन भस्म आरती की अनुमति नहीं थी। लोगों को दर्शन या किसी भी पर्यटक स्थल पर जाने से पहले आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना पड़ा। कई राज्यों में एंट्री के लिए कोविड की पॉजिटिव रिपोर्ट या आरटीपीसीआर रिपोर्ट की जरूरत पड़ी, इनके बिना दूसरे प्रदेश में प्रवेश पर प्रतिबंध रहा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए सप्ताह का प्रारंभ किसी अनपेक्षित घटना से हो सकता है। जिसमें आपका मन और मस्तिष्क विचलित हो सकता है। कारोबारियों और नौकरीपेशा को थकान का अनुभव होगा। बड़े कार्य करने के लिए शरीर साथ नहीं देगा। आर्थिक स्थिति डावांडोल हो सकती है। परिवार के लोगों का ध्यान रखें।

वृषभ : स्वास्थ्य के मामले में सजग रहना होगा। किसी भी काम को करने में मन अवश्य लगाएं। बेमन से किया गया कार्य सफल नहीं होगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी लेकिन सप्ताहांत में खर्च ज्यादा होने की संभावना बनेगी। किसी पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। नौकरीपेशा लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव होगा।

मिथुन : सप्ताह पूरी तरह व्यस्त रहेगा। पारिवारिक समारोहों में शामिल होने का अवसर आएगा लेकिन दौड़भाग के बीच अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही खानपान में बरतें। मन प्रसन्न् रहेगा। किसी कार्य के हो जाने से मानसिक शांति महसूस होगी। नौकरी और कारोबार करने वालों का काम अच्छा चलेगा।

कर्क : मन को एकाग्र करने का प्रयास करें। कार्य में बार-बार बदलाव करने से उन्नि की राह में रूकावट आ सकती है। नौकरी में उच्चाधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर चलना होगा। कारोबारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की सुविधाओं का ध्यान रखना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : इस सप्ताह आपके धैर्य और संयम के बल पर बड़ी कामयाबी हासिल होने के योग बनेंगे। राशि स्वामी सूर्य की तरह आपके व्यक्तित्व में चमक पैदा होगी और आपकी ख्याति चारों ओर फैलेगी। नौकरीपेशा लोगों को किसी विशेष कार्य से यात्राएं करनी पड़ेंगी। इस राशि के विद्यार्थियों को विदेश से पढ़ाई का ऑफर आएगा।

कन्या : आपके आकर्षण प्रभाव में वृद्धि होगी। लोग आपकी बात मानेंगे और आपको प्राथमिकता देंगे। किसी विशेष पारिवारिक समारोह में शामिल होने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन बड़ा आर्थिक निवेश करने से बचें। अपने पुराने मकान को नया करने का काम जरूर प्रारंभ कर सकते हैं।

तुला : संकटपूर्ण समय का हल निकलने जा रहा है। परेशानियों का काफी कुछ हल इस सप्ताह मिल जाएगा। खासकर आर्थिक समस्याएं किसी पारिवारिक सदस्य की मदद से सुलझेंगी। धैर्य रखें समय आपके अनुकूल आ ही गया है। स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। पारिवारिक समागम में जाने का अवसर आएगा।

वृश्चिक : अपनी वाणी के बल पर बड़ी परेशानियों को दूर करने में सफल होंगे। लोग आपकी बात मानेंगे। परिवार में किसी विशेष मांगलिक प्रसंग आएगा। संतान की चिंता दूर होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। पुराने समय से चली आ रही परेशानियां दूर होगी। माता-पिता का साथ बना रहेगा।

धनु : आपके सदाचार में वृद्धि होगी और लोगों की मदद करने के लिए आगे बढ़ेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार के मांगलिक प्रसंग में शामिल होने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य में नरमी-गरमी बनी रहेगी इसलिए खानपान का ध्यान रखें। नौकरीपेशा को भागदौड़ हो सकती है। कारोबारियों को साझेदारी में कार्य को विस्तार देना होगा ।

मकर : जीवनसाथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। प्रेम संबंध विवाह में बदल सकता है। नौकरी में उन्नि और कारोबार में बढ़ोतरी होगी। युवाओं को मल्टीनेशनल कंपनियों से बड़े जॉब ऑफर मिल सकते हैं। आपको संबंधों को लेकर पारदर्शी रहना होगा। कुछ दुराव-छुपाव करेंगे तो नुकसान आपका ही है।

कुंभ : कारोबारियों को इस सप्ताह सतर्क होकर काम करना है। कोई करीबी ही आपको धोखा दे सकता है। साझेदारी में काम कर रहे हैं तो आर्थिक मामले पारदर्शी रखें। नौकरीपेशा लोगों को उच्चाधिकारियों से मतभेद हो सकता है। धन संबंधी मामले फंस सकते हैं। उधार देने और लेने से बचें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मीन : इस राशि के जो जातक विदेशों में नौकरी करने की इच्छा रखते हैं उनकी यह इच्छा इस सप्ताह पूरी हो सकती है। विद्यार्थियों को भी विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ने का अवसर मिलेगा। कारोबारियों को लाभ के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ के बावजूद तरक्की के रास्ते मिलेंगे। आपके पद और जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है।

चुटकुले

डॉक्टर-आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरुरत है,
ये लो नींद की गोलियां
बीवी-उन्हें ये कब देनी है डॉक्टर
डॉक्टर-ये उनके लिए नहीं, आपके लिए है।

राजू शराब पीकर बाइक चला रहा था,
अचानक बाइक एक पेड़ से टकरा गई
पुलिस-बाहर निकल
राजू-माफ कर दो साहब
पुलिस-शराब पी के गाड़ी चलाता है, मुंह खोल
राजू-अरे नहीं साहब, पहले से खूब पी रखी है और कितना पिलाओगे।

चीन कंपनी का दावा- सिनोवैक बूस्टर डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ 94% प्रभावी

चीनी बायोटेक कंपनी सिनोवैक ने दावा किया कि उसकी कोरोना वैक्सीन की बूस्टर(तीसरी) डोज ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ 94% प्रभावी है। कंपनी ने 2 ग्रुप्स पर स्टडी की। इस दौरान पहले ग्रुप में शामिल 20 लोगों को दो डोज लगाई गई। वहीं, दूसरे ग्रुप में शामिल 48 लोगों को तीसरी डोज दी गई। चीनी मीडिया के मुताबिक, पहले ग्रुप में 7 और दूसरे में 45 लोगों में ओमिक्रॉन के खिलाफ एंटीबॉडी मिली। स्टडी में पता चला कि वैक्सीन की 2 डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ एंटीबॉडी डेवलप करने में असफल थी।

US हेल्थ ऑफिसर बोले- जॉनसन की वैक्सीन से ब्लड क्लॉटिंग का खतरा, फाइजर-मॉर्डना इससे बेहतर

कोरोना के बढ़ते मामलों और वैक्सीनेशन ड्राइव में तेजी के बीच अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि अधिकतर अमेरिकियों को जॉनसन एंड जॉनसन (J&J) की बजाय फाइजर और मॉर्डना की वैक्सीन लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि J&J की वैक्सीन से बेहद कम, लेकिन गंभीर ब्लड क्लॉटिंग हो सकती है। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) के सलाहकारों ने कहा कि J&J वैक्सीन लगने के बाद हुई क्लॉटिंग के चलते अब तक अमेरिका में 9 मौतों की पुष्टि हुई है। फाइजर और मॉर्डना की वैक्सीन के साथ ऐसे रिस्क नहीं आते हैं और वे ज्यादा प्रभावी भी साबित हुई हैं।

राष्ट्रपति बाइडेन की चेतावनी, कहा- इस बार गंभीर बीमारी और मौत लाएगी

अमेरिका में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लोगों को चेताया है। बाइडेन ने कहा कि वैक्सीन न लगवाने वाले लोगों को इस सर्दी में गंभीर बीमारी और मौत का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने अमेरिका में ओमिक्रॉन के तेजी से फैलने की आशंका भी जाहिर की। वहीं, महामारी को लेकर मेडिकल एक्सपर्ट्स के साथ हुई मीटिंग के बाद कहा कि देश ओमिक्रॉन से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश में बूस्टर डोज दी जा रही है और ट्रैवल को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। 1 दिसंबर को अमेरिका में रोजाना के औसत नए कोरोना केस की संख्या 86,000 थी, जो 14 दिसंबर को 1,17,000 हो गई।

फाइजर की टैबलेट से इलाज करेंगे यूरोपियन देश, EU की मेडिकल बॉडी ने दिया इमरजेंसी अप्रूवल

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण महामारी की चौथी लहर के करीब पहुंच चुकी यूरोपियन कंट्रीज में अब इससे निपटने के लिए फाइजर कंपनी की कोविड टैबलेट का इस्तेमाल किया जाएगा। यूरोपियन यूनियन (EU) के ड्रग्स रेगुलेटर ने इस टैबलेट के इमरजेंसी यूज का अप्रूवल दे दिया है। अमेरिकी फार्मा कंपनी फाइजर ने इसी सप्ताह दावा किया था कि उनकी टैबलेट के इस्तेमाल से कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले और मरने वाले लोगों की संख्या में 90 परसेंट तक कमी आएगी। यूरोपियन मेडिसिंस एजेंसी (EMA) ने फाइजर की टैबलेट के इमरजेंसी यूज की मंजूरी उन एडल्टस के लिए दी है जिन्हें ऑक्सीजन सप्लाई की जरूरत नहीं है। साथ ही जिनमें संक्रमण के बढ़कर गंभीर होने की संभावना नहीं हैं।

लोकसभा में विपक्षी सांसदों का हंगामा, कार्यवाही 20 दिसंबर तक स्थगित

लखीमपुर खीरी कांड को लेकर शुक्रवार को विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसद लगातार गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग करते रहे। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई थी।

पेगासस जासूसी मामले में बंगाल पैनल की जांच पर SC ने रोक लगाई

पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पैनल की जांच पर पर रोक लगा दी है। जासूसी के आरोपों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने यह जांच पैनल बनाया था। पैनल के गठन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लिया है। यह जांच SC के पूर्व जज मदन बी. लोकुर की अध्यक्षता में की जा रही थी।

जापान के टोक्यो में इमारत में लगी आग, 27 लोगों की मौत की आशंका

जापान की राजधानी टोक्यो के ओसाका में एक इमारत में आग लगने से 27 लोगों के मरने की आशंका है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, ओसाका स्टेशन के पास बनी एक इमारत की चौथी मंजिल पर बने मेंटल क्लीनिक में आग लग गई, जिसका कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। फायर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि आशंका है यह आग किसी ने लगाई हो। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस आग में जख्मी हुए 28 में से 27 लोगों के मरने की आशंका है। इन 29 लोगों को कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट आया था। डॉक्टरों की तरफ से मौत की पुष्टि किए जाने से पहले जापानी मीडिया इसी शब्द का इस्तेमाल करती है। इमारत में स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 10.18 बजे आग लगी। दोपहर तक 70 फायर इंजन मौके पर मौजूद थे।

दिल्ली में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द होगा

दिल्ली सरकार 1 जनवरी, 2022 से 10 साल पुराने सभी डीजल व्हीकल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का फैसला लिया है। सरकार का ये कदम राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) के निर्देशों के चलते लिया जा रहा है। इस हफ्ते के शुरुआत में दिल्ली परिवहन विभाग की तरफ से जारी किए गए आदेश के मुताबिक, 15 साल या उससे ज्यादा पुराने डीजल व्हीकल के लिए कोई NOC जारी नहीं की जाएगी। सरकार इन व्हीकल के लिए अलग NOC जारी करेगी, ताकि दूसरे इलाकों में पर फिर उनका फिर से रजिस्ट्रेशन किया जा सके। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा विभाग के अध्यक्ष को पुलिस ने गिरफ्तार किया महाराष्ट्र राज्य परीक्षा विभाग के अध्यक्ष तुकाराम सुपे को शुक्रवार सुबह पुणे पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

गुजरात में भीषण हादसा-पंचमहाल की केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग में 2 मजदूरों की मौत, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

गुजरात में पंचमहाल जिले के रणजीतनगर में रेफरन गैस बनाने वाली एक फैक्ट्री में आज सुबह प्रचंड विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। हादसे में 2 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हादसे में 5 मजदूर घायल भी हुए हैं, जिन्हें हालोल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मौके पर फायर की कई टीमें मौजूद हैं और सुरक्षा के मद्देनजर 5 किमी तक का आवागमन रोक दिया गया है।

तड़के सुबह ब्लास्ट के बाद लगी आग।

कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार रणजीतनगर स्थित गुजरात फ्लोरो केमिकल कंपनी के MPI-1 प्लांट में आज तड़के सुबह विस्फोट हुआ। इसके बाद प्लांट में आग तेजी से फैलती चली गई। हालांकि, इस समय प्लांट में कर्मचारियों की संख्या कम थी। आग के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। क्योंकि प्लांट के पास अन्य कंपनियों के भी प्लांट हैं। हालांकि, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को फैलने से रोक लिया। आग पर काबू पाने के लिए तीन तहसीलों से बुलाई गई फायर ब्रिगेड की टीमें।

हालोल के अलावा कालोल और गोधरा से भी फायर की टीमें बुलाई गईं

घटना के बाद से पंचमहल जिला पुलिस, कलेक्टर और एसडीएम भी प्लांट के पास पहुंच गए थे। आग के प्रचंड होने पर हालोल के अलावा कालोल और गोधरा से भी फायर की टीमें बुला ली गई हैं। फिलहाल टीमें आग पर काबू पाने की कोशिशों में लगी हुई हैं।

घायल मजदूरों को हालोल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गैस टैंकर फटते तो मच जाती तबाही फायर ब्रिगेड की टीम से मिली जानकारी के अनुसार टीनों ने आग को प्लांट तक ही सीमित कर दिया है। वहीं, कंपनी में रेफरन गैस के कई टैंक रे हुए थे और गनीमत रही कि आग इन टैंक तक नहीं पहुंची। वरना, उनमें होने वाले ब्लास्ट से पूरे इलाके में आग फैल जाती। फायर ब्रिगेड की टीम ने ये टैंक बाहर निकाल लिए हैं।

पश्चिम रेलवे ने 9 महीने के अंदर ही 10 हजार करोड़ रुपए की कमाई की, 129 दूध स्पेशल ट्रेनें चलाकर राजस्व बढ़ाया

इस महीने पश्चिम रेलवे ने 10000 करोड़ रुपए का राजस्व किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि 1 अप्रैल से 14 दिसंबर, 2021 तक पश्चिम रेलवे ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 35% से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए 10004 करोड़ रुपए की आय की। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष में 320 दिनों की तुलना में इस वित्त वर्ष के 257 दिनों की अवधि में हासिल की गई है। 129 दूध स्पेशल ट्रेनें चलाकर राजस्व बढ़ाया पश्चिम रेलवे ने 90 हजार टन से अधिक भार और वैगनों के 100% उपयोग के साथ 129 दूध स्पेशल ट्रेनें चलाईं, जिससे रेलवे की कमाई में जबर्दस्त इजाफा हुआ। इसी तरह 145 कोविड-19 स्पेशल पार्सल ट्रेनों से लगभग 28,700 टन की आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई की।

शादी का झांसा देकर एक साल तक मकान में रहने वाली युवती से दुष्कर्म, प्रेमी ने छह महीने तक गुजरात में काटी फरारी

जयपुर में एक महिला को शादी करने का झांसा देकर कई महीनों तक दुष्कर्म करने वाले आरोपी को हरमाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह पिछले करीब छह महीनों से गुजरात में फरारी काट रहा था। डीसीपी (पश्चिम) ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नरेंद्र सिंह (29) सीकर जिले में राणोली तहसील के रलावता गांव का रहने वाला है। वह पिछले कुछ अरसे से जयपुर में हरमाड़ा क्षेत्र में एक कॉलोनी में किराए से रह रहा था। यहां प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था।

इस संबंध में 25 साल की एक युवती ने हरमाड़ा थाने में 16 अगस्त को केस दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि नरेंद्र सिंह उनके मकान में किराए से रहता था। आपसी मेलजोल और बाचतीत से नजदीकियां बढ़ने लगी। तब नरेंद्र ने प्यार का नाटक करते हुए युवती से शादी करने की बात कही। इस तरह बातों में फंसाकर नरेंद्र सिंह ने मौका पाकर दुष्कर्म किया। करीब एक साल तक देह शोषण का यह सिलसिला चलता रहा। जब युवती ने शादी करने का दबाव डाला तब नरेंद्र सिंह रातों रात सामान समेटकर भाग निकला। वह करीब दो महीनों तक कमरे पर वापस नहीं लौटा। नाहीं,

युवती से संपर्क किया। इस पर पीड़िता ने हरमाड़ा थाने पहुंचकर केस दर्ज करवाया। थाना प्रभारी मांगी लाल विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी पड़ताल की। तब छह महीने से फरार आरोपी के गुजरात में होने का पता चला। आखिरकार, पुलिस टीम ने नरेंद्र सिंह को पकड़ा। जयपुर ले आए। यहां रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

हेड क्लर्क पेपर लीक केस-पेपर लीक करने वाले 8 में से 5 आरोपियों की गिरफ्तारी, पासा की धाराएं लगेंगी; जल्द ही नई तारीखों की होगी घोषणा

गुजरात सरकार आज घोषणा करेगी कि हेड क्लर्क की भर्ती का पेपर लीक हुआ है। इस भर्ती परीक्षा को रद्द करने और जल्द ही नई तारीखों की घोषणा की भी की जाएगी। गुजरात सरकार के सूत्रों ने बताया कि सरकार को पहले दिन इस मामले की भनक लग गई थी, लेकिन मामले को गुप्त रखा गया, ताकि पेपर लीक करने वाले तत्व भूमिगत न हो जाएं। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता जयेश पटेल समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राज्य में पिछले 9 साल में 10वीं बार भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। रिक्रूटमेंट सेकेंडरी सर्विस सेलेक्शन बोर्ड के चेयरमैन असित वोरा ने भी अब पेपर लीक मामले में पुलिस में अर्जी दी है। अभी तक वोरा ने पेपर लीक होने से इनकार किया था और कहा है कि शिकायत मिलने पर ही कार्रवाई की जाएगी। वोरा ने पुलिस को ईमेल से पेपर लीक के बारे में सूचित किया है। आप नेता युवराज जडेजा ने मामले को सामने लाने की कोशिश की और माध्यमिक सेवा बोर्ड को पेपर लीक होने की जानकारी दी, लेकिन बोर्ड ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

आरोपी ने सब ऑडिटर व स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा के पेपर भी लीक किए थे पेपर लीग घोटाले के मास्टरमाइंड जयेश और एक अन्य आरोपी केतन ने परीक्षार्थियों को बताया था कि उन्होंने पहले भी सरकारी भर्ती में उप-लेखा परीक्षकों और स्टाफ नर्सों की भर्ती का पर्चा लीक किया था। और पेपर पाने वाले सभी को नौकरी मिल गई थी। उनका स्रोत शक्तिशाली है और कहीं भी कुछ भी लीक नहीं हुआ है।

बैंककर्मियों की हड़ताल

राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण के विरोध में बुधवार और गुरुवार को दो दिन बैंक बंद रहेंगे। शनिवार को बैंक फिर खुलेगें। दो दिवसीय बैंक बंद के आह्वान में सूरत के 12 बैंकों की लगभग 400 शाखाओं के 9000 कर्मचारी जुड़ेंगे। बंद के कारण सूरत में 1000 करोड़ रुपए के चेक क्लियरिंग का काम प्रभावित होगा। गुजरात बैंक वर्कर यूनियन की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि संसद के आगामी सत्र में केंद्र सरकार राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण का प्रस्ताव लाने की तैयारी में हैं। इसके विरोध में राष्ट्रीयकृत बैंक के देशव्यापी हड़ताल में सूरत के बैंक भी जुड़ेंगे। गुरूवार और शुक्रवार की दोनों दिन की बैंक बंदी से कर्मचारियों को इन दो दिनों का वेतन नहीं मिलेगा। यूनियन का कहना है कि यदि बैंकों का निजीकरण करने से बैंकों में डिपॉजिट 1.56 लाख करोड़ पूंजी निजी लोगों के पास चली जाएगी, जो जीडीपी का 75 प्रतिशत है। फिलहाल 6 लाख करोड़ रुपए का एनपीए वसूल करना बाकी है। सरकार ने 6 महीने में 4.64 लाख करोड़ की पूंजी के मुकाबले 1.68 लाख रुपए वसूल किए है। इतनी धीमी गति से रिकवरी के कारण भी लोगों को नुकसान हो रहा है।

सरकारी सिस्टम की 'प्राइवेट' लूट-हेल्थ सेंटर की सोनाग्राफी मशीन 1 साल से खराब, मरीजों को निजी केंद्रों पर भेज रहे, वहां देना पड़ रहा ज्यादा चार्ज

सूरत महानगर पालिका के पांडेसरा हेल्थ सेंटर पर जांच के लिए मरीजों को निजी हेल्थ सेंटरों पर भेजने का मामला सामने आया है। यहां मेडिकल ऑफिसर की टेबल पर निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों के पर्चे रखे मिले। मेडिकल ऑफिसर मरीजों को सोनोग्राफी, एक्सरे, एमआरआई, सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट आदि की जांच के लिए इन पर्चों पर स्टैंप मारकर देते हैं और कहते हैं कि इस सेंटर पर चले जाओ, आधे दाम पर जांच हो जाएगी। मरीज जब वहां जांच कराने जाता है तो कोई छूट नहीं मिलती और पूरा पैसा वसूल किया जाता है।

एक निजी डायग्नोस्टिक सेंटर ने जांच के लिए पूरा चार्ज वसूलने की बात स्वीकार भी की है। भास्कर के रिपोर्टर खुद मरीज बनकर गया तो इस बात की पुष्टि हुई। जांच-पड़ताल की तो पता चला कि सरकार की तरफ से गरीब मरीजों के इलाज के लिए दिए गए संसाधन खराब हालत में पड़े हैं। वहां जांच मशीनें भी बंद पड़ी थीं। हेल्थ सेंटर के अधिकारी इन मशीनों को ठीक कराने की बजाय मरीजों को जांच के लिए निजी सेंटरों पर भेज रहे हैं। वहां मौजूद स्टाफ से जब पूछा गया कि जांच के लिए मरीजों को निजी सेंटर पर क्यों भेज रहे हैं तो उन्होंने कहा कि वहां आधी छूट मिलेगी।

जब निजी डायग्नोस्टिक सेंटर पर बात की गई तो वहां से कहा गया कि कोई छूट नहीं दी जा रही है।

हेल्थ सेंटर पर गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए रखी गई सोनोग्राफी मशीन खराब हालत में एक कोने में रखी मिली। महानगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि मरीजों को जांच के लिए निजी सेंटर पर जाने के लिए कहना नियम विरुद्ध है। इसकी जांच कराई जाएगी। अगर कोई काम नियम विरुद्ध पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी। सोनोग्राफी क्लिनिक ने साफ कह दिया कि कोई छूट नहीं दी जाती कृष्णा सोनोग्राफी क्लिनिक पर जब फोनकर पूछा गया कि हमें जांच करवानी है, क्या कोई छूट मिलेगी? तो उधर से जवाब आया कि यहां सभी के लिए एक समान दर है। किसी के लिए कम या ज्यादा नहीं है। कोई कहीं से भी आए जांच का चार्ज जो तय है वही लिया जाएगा।

हमने उनसे पूछा कि क्या सरकारी अस्पताल से भेजने पर आप कोई छूट नहीं देते तो उन्होंने साफ मना कर दिया। निजी डायग्नोस्टिक में भेज रहे हैं यूएचसी सेंटरों पर इलाज करवाने जा रहे मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों पर भेजा जा रहा है। वहां डॉक्टर खुद ही निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों अपना स्टैंप लगाकर उन्हें देते हैं जिससे सीधे मरीज और सेंटरों पर जाता है जहां पर उनसे पूरा पैसा लिया जाता है जबकि मरीज को यह कहकर भेजा जाता है कि यदि अस्पताल से भेजा जाएगा तो वहां पर आधे पैसे लगेंगे, लेकिन मरीजों से डायग्नोस्टिक सेंटर पर पूरे पैसे वसूले जाते हैं। सेंटर पर अलग-अलग डायग्नोस्टिक सेंटर के लेटर पैड पड़े हैं जिससे मरीजों को निजी सेंटरों में भेजा जाता है ना कि सरकारी अस्पतालों में। यदि यूएचसी सेंटर के डॉक्टर मरीजों को सिविल या फिर स्मीमेर में ट्रांसफर करें तो उनका पैसा बच सकता है।

मेडिकल ऑफिसर की टेबल पर रखे मिले निजी जांच सेंटरों के लेटर पैड पांडेसरा के हेल्थ सेंटर के मेडिकल ऑफिसर की टेबल पर उधना के कृष्णा सोनोग्राफी क्लिनिक के साथ कई निजी सोनोग्राफी सेंटरों के लेटर पैड पड़े थे। वहां आने वाली गर्भवतियों और अन्य जरूरतमंद मरीजों को अगर सोनोग्राफी की जरूरत होती है तो उन्हें निजी डायग्नोस्टिक सोनोग्राफी सेंटरों पर भेजा जा रहा था। इसके लिए मरीजों को निजी सेंटरों पर बकायदा सरकारी अस्पताल का स्टैंप मारकर भेजा जा रहा है। वहां उनसे पूरे पैसे लिए जाते हैं।

हम ऐसा मरीजों की सुविधा के लिए करते हैं, यहां व्यवस्था की कमी है पांडेसरा हेल्थ सेंटर की मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर निराली और डॉ. सोनल से इस मामले में कहा कि हम एक नहीं कई निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों पर मरीजों को भेजते हैं। इसमें हमारा कोई स्वार्थ नहीं है। यह तो मरीजों की सुविधा के लिए करते हैं। हमारे पास अन्य कोई सुविधा नहीं है, इस वजह से ऐसा करते हैं। डॉक्टर निराली का कहना है कि आप हमारे अधिकारियों से कह दीजिए कि हमारे लिए सारी व्यवस्थाएं करवा दें, जिससे मरीजों को बाहर जाने की जरूरत ना पड़े।

SPORTS खेल जगत

कप्तानी ही नहीं बैटिंग में भी रोहित से पिटे कोहली

रोहित शर्मा को वनडे का कप्तान बनाए जाने के बाद टीम इंडिया में मानो भूचाल सा आ गया है। रोहित और कोहली के बीच आपसी विवाद की बातें अब खुलेआम सामने आ रही है। इन सब विवादों के बीच आइए आपको बताते हैं पिछले दो साल में दोनों खिलाड़ियों में किसका बल्ला सबसे ज्यादा बोला है। टेस्ट में तो रोहित के आसपास भी नहीं हैं विराट पिछले दो साल में टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली के बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला है। वहीं, रोहित इस दौरान टेस्ट में एक शानदार बल्लेबाज के रूप में उभर कर सबके सामने आए हैं। 2020 में कोहली ने तीन टेस्ट मैच खेले और इसकी 6 पारियों में उनके बल्ले से सिर्फ 116 रन निकले। इस दौरान विराट का औसत 20 से भी कम का रहा। 2021 में भी कोहली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इस साल भी विराट के बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला और उनका औसत सिर्फ 28.41 का रहा। उन्होंने 2021 में 10 टेस्ट खेले हैं और उनके बल्ले से सिर्फ 483 रन ही निकले हैं। वहीं, रोहित शर्मा की बात करें तो 2021 में उन्होंने टीम इंडिया के लिए 11 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान उनके बल्ले से 906 रन निकले हैं। 11 टेस्ट मैचों में इस खिलाड़ी का औसत 47.68 का रहा है। हिटमैन के बल्ले से इस साल 2 शतक और 4 अर्धशतक निकले हैं। 2020 में रोहित टीम इंडिया के लिए कोई टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे। वहीं, 2019 में इस खिलाड़ी ने भारत के लिए 5 टेस्ट मैच खेले और 92.66 के शानदार औसत से 556 रन जड़ दिए। 2019 में रोहित ने 5 टेस्ट में 3 शतक लगा दिए थे। दो साल में रोहित ने खेले सिर्फ 6 वनडे मैच पिछले दो साल में रोहित सिर्फ 6 वनडे मैच खेल पाए हैं। वहीं, विराट ने 12 वनडे मैचों में टीम की कप्तानी की है। इस दौरान रोहित के बल्ले से 43.50 के औसत से 261 रन निकले हैं। वहीं, अगर कोहली के रिकॉर्ड को देखें तो विराट ने 12 मैचों में 46.66 के औसत से 560 रन बनाए हैं। हालांकि, कोहली ने इन 12 मैचों में एक भी शतक नहीं लगाया।

भारत ने क्रिकेट का बदला हॉकी में लिया-पाकिस्तान को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में 3-1 से हराया, हरमनप्रीत ने किए दो गोल

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शुरुआत की है। मैच के चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम 3-1 से आगे चल रही है। भारत के लिए हरमनप्रीत ने दो और आकाशदीप ने एक गोल किया है। वहीं पाकिस्तान के जुनैद ने भी एक गोल किया। हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके भारत को बढ़त दिलाई। इस मैच में अब तक भारत का दबदबा रहा है। पाकिस्तानी टीम का रिकॉर्ड इस टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ अच्छा है, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान लय में नहीं दिख रहा है। अगर भारत यह मैच जीतता है तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।मैच के तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया और एक-एक गोल किए। भारत के लिए दूसरा गोल आकाशदीप ने किया और टीम इंडिया को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद पाकिस्तान के जुनैद मंजूर ने गोल कर भारत की बढ़त को कम किया।हरमनप्रीत ने किया दूसरा गोलइस टूर्नामेंट में पाकिस्तान ने पहली बार पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। नीलम संजीव की गलती के चलते पाकिस्तान को यह मौका मिला था, लेकिन सूरज करकेरा ने बाएं पैर से गेंद को रोककर उनका प्रयास सफल नहीं होने दिया। इसके तुरंत बाद भारत को एक पेनाल्टी

कॉर्नर मिला और हरमनप्रीत ने मैच का दूसरा गोल करते हुए टीम इंडिया की बढ़त को और मजबूत कर दिया। पाकिस्तान ने इस मैच में दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन यहां भी गोल नहीं कर सका। पहले मैच के बाद भारतीय टीम ने की वापसीओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। उसने पहले मैच में कोरिया को वापसी का मौका दिया और आखिर में यह मैच 2-2 से ड्रॉ पर छूटा। हालांकि टीम इंडिया अगले मैच में बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से बदली हुई नजर आई और उन्होंने एकतरफा मुकाबले में 9-0 से जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने शुरू से आखिर तक दबदबा बनाए रखा। हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय डिफेंडर्स ने अच्छा खेल दिखाया, जबकि कप्तान मनप्रीत सिंह ने मिड फील्ड में अहम भूमिका निभाई है।एशियाड में दोनों टीमों ने नौ फाइनल खेलेभारत और पाकिस्तान ने पहले सात एशियाई खेलों के हॉकी फाइनल में एक-दूसरे का सामना किया था। एशियाई खेलों में उन्होंने एक दूसरे के खिलाफ कुल नौ फाइनल खेले हैं, जिसमें पाकिस्तान ने सात और भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते। दोनों देशों ने 1956 से 1964 तक लगातार तीन ओलंपिक फाइनल में जगह बनाई थी। इनमें से भारत ने दो, जबकि पाकिस्तान ने एक बार जीत दर्ज की थी। पिछली बार इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लीग चरण में हुआ था जहां भारत ने 3-1 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम ने अभी तक दो मैचों में कोरिया और बांग्लादेश के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चार अंक लेकर भारत अंक तालिका में शीर्ष पर है। पाकिस्तान ने जापान से गोलरहित ड्रॉ खेला था और वह चौथे स्थान पर है।

पीवी सिंधु वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट भारत की पीवी सिंधु बैंडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हार गई हैं। हालांकि, पुरुष सिंगल्स से भारत को अच्छी खबर मिली है। किदांबी श्रीकांत ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सिंधु को नंबर-1 सीड चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग ने लगातार गेम में 21-17, 21-13 से हराया। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनल में भी सिंधु को ताइ जू से ही हार मिली थी। पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में भारत के किदांबी

श्रीकांत ने नीदरलैंड के मार्क क्लाजाउ को आसानी से 21-8, 21-7 से हरा दिया। यह मैच महज 26 मिनट तक चला। पहली बार चार खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे
विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहली बार भारत के चार खिलाड़ी एक साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए हैं। पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत के अलावा एच एस प्रणॉय क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए हैं। एचएस प्रणॉय ने 10वींरैंक डेनमार्क के राससम गेमके को कड़े मुकाबले में 16-21, 21-8, 22-20 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्का किया। वहीं लक्ष्य सेन ने टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनलिस्ट गुआटेमाला के केविन कॉर्डन को बिना 21-13, 21-8 से हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई थी।

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका पहुंची

भारतीय क्रिकेट टीम तीन टेस्ट और तीन वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका पहुंच गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुंबई से जोहान्सबर्ग तक के पूरे सफर का वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में दिख रहा है कि टेस्ट कप्तान विराट कोहली सीनियर पेसर ईशांत शर्मा के साथ मजाक कर रहे हैं। कोहली ने ईशांत के बैग में झांक कर कुछ बोला, तो ईशांत यह कहते नजर आ रहे हैं कि सुबह- सुबह ये मत कर यार। वीडियो में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और मध्यम क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एक साथ हंस रहे हैं।
वहीं चेतेश्वर पुजारा और अंजिक्य

जोहान्सबर्ग के एयरपोर्ट पर दाएं से अजिंक्य रहाणे, मोहम्मद शमी और ऋषभ पंत। अफ्रीका में ओमिक्रॉन तेजी से फैला है। ऐसे में टीम इंडिया ज्यादा एहतियात बरत रही है।

रहाणे भी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वीडियो में अफ्रीका में पहुंचने पर भारतीय टीम का स्वागत भी नजर आ रहा है। पंत और अनुष्का शर्मा ने भी शेयर किया वीडियो भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जो एक झील के किनारे का है।
वहीं अनुष्का शर्मा ने भी उसी झील के किनारे का खूबसूरत वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। ये नजारा टीम इंडिया के होटल के पास का है।

देश परदेश

नाराज हुई अमेरिकी समर्थक लॉबी-चीन की ओर इमरान खान के झुकाव का पाकिस्तान में बढ़ रहा है विरोध

लोकतांत्रिक देशों के शिखर सम्मेलन (समिट ऑफ डेमोक्रेसीज) में शामिल होने के अमेरिका के आमंत्रण को ठुकराने के इमरान खान सरकार के कदम को लेकर देश में राजनीतिक मतभेद गहरा रहा है। देश में जनमत के एक बड़े हिस्से की राय बनी है कि ये कदम उठा कर इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार ने देश के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचाया है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक पाकिस्तान में अमेरिका समर्थक एक बड़ी लॉबी है, जो इस कदम के कारण प्रधानमंत्री इमरान खान से और भी ज्यादा नाराज हो गई है।बिलावल भुट्टो ने की आलोचनादेश में बन रहे इसी जनमत को भांपते हुए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने छह दिन बाद इस मुद्दे पर अपनी जुबान खोली। उन्होंने डेमोक्रेसी समिट में भाग न लेने के प्रधानमंत्री खान के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस स्थिति में नहीं है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण मंच से खुद को वंचित कर ले। बिलावल ने कराची में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- 'अगर कोई सहयोगी देश वहां कुछ एतराज उठाता, तो भी हम उसकी बात सुनने के बाद अपनी बात कह सकते थे। लेकिन हमें यह मौका कतई नहीं छोड़ना चाहिए था।'अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक देशों को आमंत्रित किया था। उनमें पाकिस्तान भी था। बाइडन ने दक्षिण एशिया से भारत, मालदीव और नेपाल के अलावा पाकिस्तान को आमंत्रित किया था। बाकी तीनों देशों ने सम्मेलन में भाग लिया। लेकिन इमरान खान सरकार ने अमेरिका का न्योता ठुकरा दिया। चीन के दबाव में ठुकराया आमंत्रणडेमोक्रेसी समिट में जो देश आमंत्रित नहीं किए गए थे, उनमें चीन और रूस भी शामिल थे। अमेरिका ताइवान को इस सम्मेलन के लिए न्योता दिया, जिससे चीन खफा हो गया था। बताया जाता है कि चीन के दबाव में ही पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका का आमंत्रण ठुकराने का फैसला किया। पर्यवेक्षकों का कहना है कि जब बिलावल भुट्टो अपनी पार्टी को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, उस समय उनका खुद को अमेरिका का दोस्त दिखाना एक कारगर रणनीति हो सकती है। हालांकि इसमें जोखिम भी है, क्योंकि अब पाकिस्तान में चीन की भी एक मजबूत लॉबी तैयार हो चुकी है। पाकिस्तान के कई विश्लेषकों की राय है कि इमरान खान सरकार पूरी तरह अब इस लॉबी के प्रभाव में है।पिछले सप्ताहांत इमरान खान ने इस्लामाबाद कॉन्क्लेव 2021 नाम के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनना चाहता। इसके बजाय वह अमेरिका और चीन के बीच पैदा हुई खाई को पाटने की भूमिका निभाना चाहता है।

क्या लागू हो जीरो कोविड की सख्त नीति-एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अब ओमिक्रॉन ने अस्त-व्यस्त की आम जिंदगी

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों में कोविड-19 वैक्सीन लगाने की शुरुआत हुए एक साल पूरा हो चुका है। पिछले साल वैक्सीन ने इस इलाके में आम जिंदगी बहाल होने की उम्मीदें जगाई थीं। लेकिन आज तक यहां जिंदगी सामान्य नहीं हो सकी है। उलटे कोरोना वायरस के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट ने इन देशों की चिंता बढ़ा दी है। इससे नए सिरे महामारी संबंधी प्रतिबंध लागू होने का दौर आ गया है।स्वास्थ्य व्यवस्था मरीजों की मांग के मुताबिक होहांगकांग स्थित रिसर्चर रोबर्तो ब्रुजोने ने टीवी चैनल अल-जजीरा से कहा- 'ऐसा लगता है कि दुनिया महामारी का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है। यह गंभीर मामला है।' उन्होंने कहा- 'असल तैयारी यह नहीं है कि लॉकडाउन लगा दिया जाए या घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया जाए। बल्कि असल तैयारी यह होगी कि स्वास्थ्य व्यवस्था मरीजों की मांग के मुताबिक तैयार रहे, चाहे रोग कोई भी हो।'इस क्षेत्र में चीन ने अब तक जीरो कोविड की सख्त नीति जारी रखी है। इसके तहत संक्रमण के एक भी मामले की सूचना मिलते ही लॉकडाउन लागू कर दिया जाता है और विदेशी यात्रा रोक दी जाती है। जापान, दक्षिण कोरिया, मलयशिया और सिंगापुर भी अब तक सख्त नियंत्रण की नीति पर चल रहे हैं, हालांकि वहां कुल आबादी के लगभग 80 फीसदी का टीकाकरण हो चुका है। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अगर महामारी से पहले के समय से तुलना करें, तो इस साल अक्तूबर में इस क्षेत्र में हवाई यात्रा 93 फीसदी कम थी।विशेषज्ञों का कहना है कि इन सख्त नीतियों से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश मृत्यु की संख्या और संक्रमण के स्तर को यूरोप या अमेरिका की तुलना में काफी कम रखने में सफल रहे हैं। इस बीच ओमिक्रॉन वैरिएंट के फैलने से ऐसे उपायों पर जोर और बढ़ गया है। गुरुवार को अपनी 80 फीसदी आबादी का पूरा टीकाकरण कर चुके दक्षिण कोरिया ने रात नौ बजे के बाद रेस्तरां, कैफे, और बार बंद करने का आदेश जारी किया। निजी मेल-जोल में भी चार से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। दक्षिण कोरिया में हाल में कोविड-19 के संक्रमण में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

जापान-मानसिक रोग चिकित्सालय में आग, कम से कम 27 की मौत, चौथे माले पर फंसे लोगों को भागने का मौका भी नहीं मिला

जापान के ओसाका में एक मानसिक रोग चिकित्सालय में आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि यह आग आठ मंजिला बिल्डिंग के चौथे माले में लगी थी। आग फैलने की रफ्तार इतनी तेज थी कि फ्लोर में फंसे लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिल पाया और आधे घंटे के अंदर पूरा फ्लोर जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग के मुताबिक, फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और राहत-बचाव कार्य जारी हैं। घटना की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें आग से मची तबाही को साफ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, जिस फ्लोर पर आग लगी थी, उसमें कई मानसिक रोगियों का इलाज जारी था। अधिकारियों का कहना है कि आग सुबह करीब 10.18 बजे लगी थी। मौके पर दमकल की 70 गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाना शुरू कर दिया। हालांकि, राहत-बचाव कार्य के दौरान जो 28 घायल मिले, उनमें से 27 को बचाया नहीं जा सका।

बांग्लादेश-राष्ट्रपति कोविंद ने पुनर्निर्मित रमना काली मंदिर का उद्घाटन किया, बोले- मदद के लिए प्रतिबद्ध है भारत

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि बांग्लादेश को मजबूत अर्थव्यवस्था और अधिक समृद्ध बनाने के लिए भारत उसकी मदद करने को लेकर प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति कोविंद ने बांग्लादेश की अपनी पहली यात्रा के समापन से पहले भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि भारतीयों के दिलों में बांग्लादेश का एक विशेष स्थान है। हमारे दशकों पुरानी नातेदारी, साझा भाषा तथा संस्कृति पर आधारित विशिष्ट रूप से करीबी संबंध हैं। बांग्लादेश के लिए अपने समर्थन को दोहराते हुए कोविंद ने कहा कि भारत ऐसे बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा जो इस देश के मुक्ति आंदोलन से निकले मूल्यों को आत्मसात करता है।राष्ट्रपति ने कहा, भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था की ओर बांग्लादेश की यात्रा में उसकी मदद करने, अधिक समृद्ध होने के सफर में आपके साथ भागीदारी करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति कोविंद ने जुल्म से आजादी पाने के लिए बांग्लादेश के लोगों द्वारा किए कठोर बलिदानों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि हम विकट बाधाओं के खिलाफ लड़ने में आपके अदम्य साहस को सलाम करते हैं।

Year Ender 2021

हरनाज संधू भारत के लिए हैं लकी, पैदा होते ही दिलवाया था ब्रह्मांड सुंदरी का खिताब

70th मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू को आज के समय में दुनियाभर के लोग जानते हैं. हरनाज ने कई देशों की सुंदरियों को पछाड़ते हुए ये खिताब अपने नाम किया है. भारत में 21 साल बाद ये खिताब लाने वालीं हरनाज संधू के बारे में भारत के छोटे गांव से लेकर अमेरिका तक हर कोई जानना चाहता है. लोग गूगल पर सर्च कर रहे हैं कि हरनाज संधू कहां से आती हैं क्या करती हैं और उनका परिवार कैसा है. साल 2021 में भारत की बड़ी उपलब्धि की बात होगी तो उसमें सबसे ऊपर मिस यूनिवर्स का नाम ही होगा. लेकिन क्या आपको पता है कि हरनाज उसी साल पैदा हुई थीं जिस साल लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था.

3 मार्च 2000 को जन्मीं हरनाज संधू उस वक्त महज 2 महीने की थीं जब लारा दत्ता के सिर मिस यूनिवर्स का खिताब सजा था. 22 साल कीं लारा को 12 मई 2000 को ताज पहनाया गया था. तब से लेकर अब तक भारत हर साल इस ताज का इंतजार करता था मगर हम किसी ना किसी वजह से चूक जाते थे. लेकिन 21 साल बाद हरनाज संधू ने ये खिताब अपने नाम कर के साबित कर दिया है कि भारत की लड़कियां किसी से कम नहीं है.

भारत को यह खुशी का मौका देने वालीं हरनाज संधू चंडीगढ़ से ताल्लुक रखती हैं. हरनाज संधू ने पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कालेज फार गर्ल्स सेक्टर-42 से अपनी पढ़ाई पूरी की है. फिलहाल हरनाज पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर की पढ़ाई कर रही हैं. हरनाज संधू की मां डॉ. रविंदर कौर संधू मोहाली के सोहाना अस्पताल में डॉक्टर हैं. हरनाज की मां ने एक इंटरव्यू में बताया कि हरनाज जज बनना चाहती थी. हरनाज पढ़ाई में तेज थीं जिसकी वजह से उन्हें कभी कोचिंग भी नहीं लेनी पड़ी.

हरनाज मिस इंडिया 2019 फिनाले तक पहुंची थीं. बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वालीं हरनाज कौर पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग भी करती हैं. हरनाज कई पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. जल्द ही हरनाज संधू 'Yaara Diyan Poo Baran' और 'Bai Ji Kuttange' में नजर आएंगी.

हरनाज कई खिताब अपने नाम कर चुकी हैं. साल 2017 में उन्होंने टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़, मिस मैक्स इमर्जिंग स्टार साल 2018 में और फेमिना मिस इंडिया पंजाब 2019 में जीता था. इसके साथ ही बीते दिनों कॉलेज में हरनाज को दीवा ऑफ कॉलेज अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था.

करण जौहर ने आलिया भट्ट बताया था इमरान हाशमी की बहन

द कपिल शर्मा शो में जब करण जौहर , आलिया भट्ट और वरुण धवन एक फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे. उस दौरान शो में सभी ने खूब मस्ती की थी. कपिल की टीम ने तीनों सेलेब्स हंसा- हंसा के लोटपोट कर दिया था. इसके साथ ही करण जौहर ने आलिया भट्ट को लेकर कई सारे जोरदार खुलासे किए. उसी दौरान उन्होंने आलिया भट्ट को इमरान हाशमी की बहन तक करार दिया था. करण की इस बात पर आलिया ने भी अजीब-सा रिएक्शन दिया था. आपको बता दें, हुआ यूं कि कपिल ने करण से शो के दौरान एक सवाल किया था, जिसके जवाब में उन्होंने आलिया भट्ट की तरफ इशारा करते हुए उन्हें सीरियल किसर करार दिया. यहां तक इमरान हाशमी की बहन तक बता दिया.

यहां तक इमरान हाशमी की बहन तक बता दिया. उनकी इस बात को सुनने के बाद हर कोई हंसने लगा. मगर आलिया ने इस बात पर अलग सा रिएक्शन दिया था. और वो हंसते - हंसते अपना सिर पकड़ लेती हैं.

पाकिस्तानी अभिनेत्री का बड़ा बयान, कहा- मैं हमेशा बॉलीवुड में काम करना चाहती थी

अभिनेत्री मेहर बानो ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कलात्मक आदान-प्रदान एक बार फिर शुरू होगा और उनका कार्यक्रम 'कातिल हसीनाओं के नाम'' इस दिशा में एक कदम है। लोकप्रिय पाकिस्तानी धारावाहिकों जैसे कि ''बाला'' और ''मेरे पास तुम हो'' से पहचान बनाने वाली बानो जी5 और जिंदगी की वेब सीरीज का हिस्सा है। यह सीरीज ब्रिटिश-भारतीय निर्देशक मीनू गौड़ ने बनायी है। अभिनेत्री ने कहा कि वह हमेशा से बॉलीवुड में काम करना चाहती थीं, लेकिन लगता था कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण यह असंभव होगा। बानो ने को जूम से दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं हमेशा से बॉलीवुड में काम करना चाहती थी, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंधों को देखते हुए मैंने कभी सोचा नहीं था कि यह संभव होगा। लेकिन जब यह कार्यक्रम हुआ मैं थोड़ा हैरान हो गयी क्योंकि कोई भी इतने खास काम का हिस्सा क्यों नहीं बनना चाहेगा और वो भी हमारे पड़ोसियों के बीच, जिनके साथ हम काम करने के लिए बेताब हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था। लेकिन अब मुझे लगता है कि इस तरह के मौकों से हम कहानियां बता सकते हैं। बहुत ज्यादा खुशी और उत्साह है। हम सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'' ''कातिल हसीनाओं के नाम'' महिलाओं की सीरीज है, जिसमें 'जिंदगी गुलजार है' में काम कर चुकी मशहूर पाकिस्तानी अभिनेत्री सनम सईद भी हैं। भारतीय दर्शकों के लिए 10 दिसंबर को फिर से शुरू किए गए जिंदगी चैनल और जी5 पर इसका प्रीमियर किया गया।

टाइट ड्रेस पहनकर मलाइका ने दिखाया अपना सेक्सी फिगर, परफेक्ट कर्व पर अटकी फैंस की नजरें

बॉलीवुड की हसीन दिलरुबा मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड अवतार की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। पर आज कल अभिनेत्री मलाइका अपने स्टाइलिश लुक्स की वजह से सुर्खियां बटौर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करने वाली मलाइका ने इस बार क्लीवेज दिखाने के मूड में बिलकुल भी नहीं हैं। मलाइका ने अपनी इन स्टाइलिश तस्वीरों से दिखा दिया कि उन्हें बिना क्लीवेज दिखाए भी लोगों को मदहोश करना आता हैं। उनकी इन तस्वीरों ने लोगों का दिल जीत लिया हैं। तस्वीरें लोगों को खूब पसंद आ रही हैं और सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी कर रही हैं। तस्वीरों में मलाइका के लुक्स की बात करें तो वे बेहद ही सुंदर और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उन्होंने फुल स्लीव्स नेवी ब्लू कलर की वेलवेट मिडी ड्रेस पहनी हुई है। सिल्वर ज्वेलरी और हाई हील्स के साथ अभिनेत्री ने अपने लुक को कम्पलीट किया है। तस्वीरों में साइड पोज़ देते हुए मलाइका के परफेक्ट कर्व्स अच्छे से दिख रहे हैं। मलाइका अरोड़ा अपनी हेल्थ को लेकर काफी सचेत रहती हैं और 48 साल की उम्र में भी उन्होंने अपने आपको अच्छे से मेंटेन किया हुआ है। मलाइका के फैंस और फॉलोवर्स को उनकी यह तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं। मलाइका की इन तस्वीरों को अब तक 1 लाख से ज्यादा लाइक मिल चुके हैं। उनकी तस्वीरों पर दिल वाले इमोजी कमेंट करके लोग अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहें हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'सेक्सी'। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'सुपर हॉट'। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स मलाइका अरोड़ा को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने ट्रोल करे हुए लिखा कि, 'हाइट कमाल की है आंटी की🖕। एक अन्य ने कमेंट करते हुए लिखा, 'अर्जुन कपूर की सेक्सी आंटी'। मलाइका अरोड़ा अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हर दिन वह कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं। काम की बात करें तो मलाइका अरोड़ा फ़िलहाल सोनी टीवी के डांसिंग रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर के सीजन 2 को गीता कपूर और टेरेंस लेविस के साथ जज कर रही हैं।

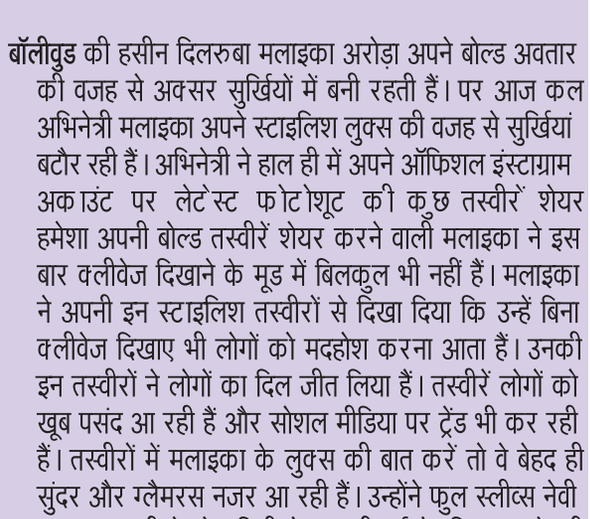

सलमान खान ने किराए पर दिया अपना मुंबई वाला अपार्टमेंट, कीमत आपके होश उड़ा देगी

सलमान खान सिनेमा जगत में तीन दशक से अधिक समय से काम कर रहे हैं। पिछले 30 सालों से उन्होंने अपने आपको एक्टिव रखा है। वह लगातार किसी न किसी काम को केकर चर्चा में बने रहे और उन्होंने अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए आराम से रहने के लिए काफी बड़ी संपत्ति अर्जित की है। वह वास्तव में लंबे समय से बांद्रा में गैलेक्सी अपार्टमेंट में रह रहे हैं, लेकिन उन्होंने कई अन्य संपत्तियों में भी निवेश किया है, जिनमें से एक अभिनेता ने हाल ही में किराए पर दी है। बॉलीवुड के दबंग ने हाल ही में मुंबई की एक संपत्ति 95,000 रुपये प्रति माह के हिसाब से आयुष दुआ नाम के शख्स को किराए पर दी थी। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, Zapkey.com द्वारा प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार, लीज और लाइसेंस समझौता 6 दिसंबर को दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, समझौते की अवधि 33 महीने है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किरायेदार आयुष ने सलमान को अपार्टमेंट के लिए जमा राशि के रूप में 2.85 लाख रुपये का भुगतान किया है। समझौते में 5 प्रतिशत-बिंदु वृद्धि खंड भी शामिल है। सलमान द्वारा किराए पर लिया गया अपार्टमेंट शिव अस्थान हाइट्स की 14वीं मंजिल पर है। यह इलाका मुंबई के बांद्रा पश्चिम में स्थित है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति एक 758 वर्ग फुट का अपार्टमेंट है। जैसा कि हम पहले ही बता चुके हैं कि रियल एस्टेट में सलमान की दिलचस्पी काफी दिखाई दे रही है।

तकनीकी-पूर्व अध्ययन कार्यक्रम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

प्रस्तुति तकनीकों के साथ-साथ पाठ्यक्रमों के गुलदस्ते के लिए उन्मुखीकरण जैसे सॉफ्ट कौशल शामिल हैं। तकनीकी पूर्व अध्ययन कार्यक्रम करियर विकल्प बनाने में सही निर्णय लेने में आपकी मदद करने का आदर्श तरीका है। प्रतिष्ठित संस्थान इन कार्यक्रमों को ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल कार्यक्रमों के रूप में पेश करते हैं और उच्च तकनीकी संस्थानों की वेबसाइटों पर जाना चाहिए। कई संस्थान इस तरह के करियर आधारित कार्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ते हैं, जैसे कि साधक अपने जॉब प्रोफाइल और आगे की यात्रा के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। विभिन्न कोर के साथ-साथ संबद्ध क्षेत्रों से मेंटर और पूर्व छात्रों की वार्ता का परिचय उम्मीदवारों की

तकनीकी: पूर्व-अध्ययन कार्यक्रम आपको तकनीकी कार्यक्रम के लिए दैनिक अध्ययन में एक यथार्थवादी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। पूर्व-अध्ययन पाठ्यक्रम आपको अपनी पसंद का अध्ययन कार्यक्रम बनाने में मदद करता है, आपको पसंद की धारा के प्रयोगशालाओं और व्याख्यान थिएटरों को जानने का अवसर प्रदान करता है । आकांक्षी को कंपनियों के बारे में भी पता चलता है और एक योग्य पेशेवर के दैनिक जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता है। पाठ्यक्रम में समय प्रबंधन और शिक्षा में तकनीकी योग्यता प्राप्त करने वालों के लिए सबसे उपयुक्त हैं। कार्यक्रम और संस्थागत प्रमाणिकता की प्रत्यक्ष समीक्षा करने के लिए साधकों को इस तरह के कार्यक्रमों की पेशकश करने वाले उच्च और अंतर्दृष्टि को गहरा करता है। विभिन्न क्षेत्रों में कंपनियों के लिए साइट पर दौरे भी आयोजित किए जाते हैं जो छात्रों को क्षेत्र के काम, करियर के अवसरों और रोजमर्रा की कार्य प्रोफ़ाइल में और अंतर्दृष्टि प्राप्त कर देते हैं।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा तीसरे बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का शानदार आयोजन

संगीतकार अनु मलिक, एमएलए भारती लवेकर , दीपा नारायण झा, एहसान कुरैशी, रज़ा मुराद, अरुण बख्शी, सिंगर रितु पाठक को मिला अवार्ड

मुम्बई। बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान ने केसीएफ के अंतर्गत मुम्बई के जुहू में स्थित मेयर हॉल में 12 दिसम्बर को बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का शानदार आयोजन किया। यह इस अवार्ड का तीसरा साल रहा।इस कार्यक्रम में संगीतकार अनु मलिक, अंधेरी वर्सोवा की एमएलए भारती लवेकर , दीपा नारायण झा, एहसान कुरैशी, रज़ा मुराद, अरुण बख्शी, अनिल नागराथ, गीतकार सुधाकर शर्मा, अल्का भटनागर (सिंगर यूके), के के गोस्वामी, प्रेमा किरण, डॉ परिन सोमानी (यूके), श्यामलाल (फिल्म दबंग में भय्या जी स्माइल वाले), गीतकार ज़ीनत एहसान कुरैशी, रूपल मेंहता (मिसेज इंडिया यूनिवर्स), निर्माता मुकेश गुप्ता और ब्राईट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी ,डॉक्टर प्रवीण भालेराव को डॉ कृष्णा चौहान ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। जलेबी बाई गीत की गायिका ऋतु पाठक को भी बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड से सम्मानित किया गया, साथ ही उनके हाथों से भी कई लोगों को पुरस्कृत किया गया। रितु पाठक ने स्टेज पर गीत भी गाया।लेडी इंस्पेक्टर प्रियात्मा मूठे को रज़ा मुराद के हाथों

अवार्ड दिया गया।कार्यक्रम में रूबी अहमद ने डांस परफॉर्मेंस पेश की साथ ही एक्ट्रेस सीमा सूर्यवंशी ने भी डांस का तड़का लगाया। बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 समारोह में सिद्धिविनायक ट्रॉफीज के गणेश, आरजे दिव्य सोलगामा रेडियो नशा, एक्ट्रेस दीप्ति तिवारी और एक्ट्रेस फरीदा सिद्दीकी, आर राजपाल (बेस्ट पब्लिसिटी डिज़ाइनर), डांसर सीमा सूर्यवंशी, सोशल वर्कर सुंदरी ठाकुर, हरि कथावाचक मधु मंगलदास, आयुर्वेदाचार्य प्रकाश टाटा, एस्ट्रोलॉजर पुनीत कुमार वोरा, एडवोकेट रविन्द्र कुमार सिंह, एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव, एक्टर प्रोड्यूसर शांतनु भामारे, गायक डी सी मदाना, निर्माता देवराज रायचन्द, एक्टर ज़ुबैर अली, सिंगर रविका दुग्गल, सिंगर मंगेश, सिंगर चांदनी वेगड़ (राजकोट) गिटारिस्ट माधव कोहली को भी बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड से सम्मानित किया गया।सभी पुरस्कार पाने वालों ने कृष्णा चौहान की तारीफ की और उनके हौसले व जज़्बे को सलाम किया।डॉ कृष्णा चौहान ने इस मौके पर प्रिंट, डिजिटल मीडिया से जुड़े कई पत्रकारों को भी बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड से नवाजा जिनमें हिमांशु झुनझुनवाला (द्वापर प्रमोटर्स) , अवनींद्र आशुतोष, राजेन्द्र कुरील, संतोष साहू, कैलाश मासूम, सुहैल फिदाई, गाज़ी मोईन, देवेंद्र खन्ना, दिलीप पटेल, दिनेश कुमार, राजेन्द्र बोडारे (एडिटर फिल्मी आवाज़), कीर्ति कदम, पंकज पाण्डेय, नासिर तागले, मोहन राजपूत, परवीन मकवाना, शैलेश पटेल, सुंदर मोरे, रमाकांत मुंडे, राजेश कोरील, टिंकू चौहान, रितेश पाठक का नाम उल्लेखनीय है।इस मौके पर कृष्णा चौहान ने अपनी हिंदी फिल्म "आत्मा डॉट कॉम" का एलान भी किया। साथ ही पोस्टर लांच हुआ। यह एक हॉरर थ्रिलर फ़िल्म है, जिसके लेखक गाज़ी मोइन हैं। कृष्णा चौहान द्वारा निर्देशित फ़िल्म के डीओपी पप्पू के शेट्टी हैं।इस अवार्ड फंक्शन के बाद कृष्णा चौहान 27 फरवरी 2022 को बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022, 4 मई 2022 को वह अपने बर्थडे के दिन लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 करवाने जा रहे हैं।आपको बता दें कि बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इन्होंने कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो बनाया है और अब हिंदी फ़ीचर फिल्म आत्मा डॉट कॉम भी बनाने जा रहे हैं। कृष्णा चौहान की एक फाउंडेशन भी है, जिसका नाम है कृष्णा चौहान फाउंडेशन। जिसके अंतर्गत कृष्णा कई अवार्ड्स शो का भी आयोजन करते हैं।

केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड का आयोजन सन 2019 से किया जा रहा है। इसके अलावा केसीएफ से समाज सेवा, भोजन वितरण और भगवद गीता का वितरण किया जाता है। कृष्णा चौहान द्वारा साल 2020 में कोरोना महामारी के बीच में कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई गई थी।आपको बता दें कि कृष्णा चौहान गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और पिछले 20 वर्षों से वे मुंबई में रह रहे हैं। अपने स्ट्रगल के दिनों में कृष्णा ने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया है। आज कृष्णा चौहान इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं है। कृष्णा चौहान को उनकी शार्ट फ़िल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा तीसरे बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 में राजकोट में रहने वाली चांदनी वेगड़ को बेस्ट सिंगर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

डॉ. कृष्णा चौहान द्वारा तीसरे बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड -2021' का आयोजन मुंबई के अँधेरी (वेस्ट) स्थित मेयर हाल में 12 दिसंबर 2021 किया गया, जोकि सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें गुजरात के जामनगर से राजकोट में सिफ्ट हुई युवा और टैलेंटेट गायिका चांदनी वेगड़ को बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड -2021' द्वारा 'बेस्ट गायिका' का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस

अवसर पर संगीतकार अन्नू मालिक, रजा मुराद ,अरुण बख्शी, कॉमेडियन एहसान कुरेशी, अनिल नागराज, गीतकार सुधाकर शर्मा, डॉ. भारती लव्हेकर, अस्मिता वेगड़ राज वेगड़, प्रवीणा ठक्कर दिलीप पटेल इत्यादि सम्मानीय लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम के शोभा बढ़ाया। अंत में चांदनी वेगड़ ने अवार्ड कमिटी को धन्यवाद देकर उनका आभार व्यक्त किया।

महाराष्ट्र के गवर्नर श्री भगत सिंह कोशियारी, लोकसभा सांसद गोपाल शेट्टी और ललित कला अकादमी के चेयरमैन डॉ उत्तम पाचारने के हाथों 5 चित्रकारों को पुरुस्कार

भारत की आज़ादी के अमृत महोत्सव के उप्लक्षय में ललित कला अकादेमी द्वारा मुम्बई के जहांगीर आर्ट गैलरी मे 13 दिसम्बर, 2021 तक "द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय प्रिन्ट द्विवार्षिकी भारत" का आयोजन किया गया जिसमें भारत और विदेशों के कलाकारों की 149 कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई।

इन सैकड़ों चित्रों में से ज्यूरी मेम्बर्स द्वारा 5 कलाकृतियों को अवार्ड के लिए चयनित किया गया और चीफ गेस्ट महाराष्ट्र के गवर्नर श्री भगत सिंह कोशियारी, गेस्ट ऑफ ऑनर गोपाल शेट्टी लोकसभा सांसद और ललित कला अकादमी के चेयरमैन डॉ उत्तम पाचारने के हाथों पांच कलाकारों को एवार्ड से नवाजा गया। प्रोफेसर जयप्रकाश जगताप को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया।

राष्ट्रगीत से भव्य कार्यक्रम की शुरुआत जहांगीर आर्ट गैलरी मुम्बई में हुई। देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सेना के 11 अन्य अधिकारियों की हेलीकॉप्टर हादसे में हुई मौत पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए यहां 1 मिनट का मौन रखा गया।

कलाकार सोमनाथ होर के जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी जीवनी पर लिखी गई किताब का विमोचन हुआ।

यहां 5 चित्रकारों को ज्यूरी की ओर से 2-2 लाख रुपए के इनाम से नवाजा गया। महाराष्ट्र के गवर्नर भगत सिंह कोशियारी के हाथों सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट,शॉल और ट्रॉफी से नवाजा गया। उन 5 खुशनसीब चित्रकारों के नाम हैं जगदीश्वर राव, चंद्रशेखर वसंतराव वाघमारे, दुर्गादास गाराई, सुषमा यादव, मोहम्मद फखरुल इस्लाम मजूमदार। इनके अलावा 12 और चित्रकारों को ऑनर से नवाजा गया।

सांसद गोपाल शेट्टी ने यहां कहा कि इस तरह के प्रोग्राम में आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। कला को आगे बढ़ाना है तो हमें कलाकारों की हिम्मत को बढ़ाना होगा। उत्तम पाचारने जी ने इस तरह कलाकारों को पुरुस्कार राशि देने के लिए जो कार्यक्रम रखा वह वाकई बधाई के पात्र हैं। तमाम पुरुस्कृत चित्रकारों को मेरी ओर से भी हार्दिक शुभकामनाएं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोशियारी ने कहा कि ललित कला बड़ी चीज है। कला को समझने के लिए अपने अंदर कला का होना जरूरी होता है। हम सब के अंदर कोई न कोई कला होती है। कलाकार बड़ी तपस्या के बाद कुछ क्रिएट करता है। मैं कलाकारों से यही कहूंगा कि कला के क्षेत्र में आकर अपनी आत्मा डाल दें। उत्तम जी उत्तम व्यक्ति है और उत्तम काम करते रहते हैं। आप सभी कलाकारों को बधाई, शुभकामनाएं देता हूँ।

धूमधाम से मनाया गया यजुवेंद्र दुबे का जन्मदिन

श्रीमद्भागवत कथा में महाराज व श्रोताओं ने आर्शीवाद देकर मनाया जन्मदिन

सूरत दर्पण न्यूजपेपर के चीफ एडिटर व पूर्व पार्षद श्रीमान यजुवेंद्र दुबे का जन्मदिन 'उत्तर भारतीय श्रमजीवी संघ' सूरत द्वारा मनाया गया। दूबे ने स्वागत से गदगद होकर कहा कि उत्तर भारतीय समाज के इस सम्मान को मैं कभी नही भूला सकता।सबसे बड़ी बात हमारे समाज के बड़े अग्रणी श्री मनोज शुक्ला जी व मुन्ना तिवारी जी जन्मदिन के दिन गुटका छोड़ने का संकल्प लिया। जो समाज के लिए एक प्रेरणा है। जन्मदिन को यादगार बनाने वाले समाज अग्रणी श्री Guljarilal R Upadhyay जी, श्री महेंद्र तिवारी जी, श्री धर्मात्मा त्रिपाठी जी, श्री ओमकार मिश्रा जी,श्री विजय पांडेय जी,श्री मुन्ना तिवारी जी,मुन्ना मिश्रा जी,नरेंद्र मिश्रा जी,गुड्डू पांडेय जी समेत कई अग्रणी का आभारी हूँ।इसी तरह

सेवा फाउंडेशन के सेवा हॉस्पिटल में भी कार्यक्रम किया गया।जिसमें प्रमुख रूप से सुभाष रावल,छोटू भाई पांडेय, ललित शर्मा,अजय मिश्रा, प्रवीण सिंह,अवधेश पांडेय, मनोज ठाकुर,जय शर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।जबकि नुक्कड़ चाय पर युवाओं ने केक काटने का कार्यक्रम सागर पाटिल के नेतृत्व में किया।जिसमें नवनीत पांडेय,आशीष भाई इत्यादि युवा एकत्रित थे।वही डिंडोली के श्री साई प्लाजा पर विनय उपाध्याय के नेतृत्व में भी कार्यक्रम किया गया।जिसमें अरुण मिश्रा, मुन्ना तिवारी,अमित सिंह,रमेश पांडेय,गुड्डू पांडेय,नरेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।इसीतरह वेसु में आर.के.सिंह के नेतृत्व में भी जन्मदिन मनाया गया। Godadara के श्रीराम जानकी मंदिर पर हो रहे श्रीमद भागवत कथा के दौरान कथा वाचक धनपत महाराज के यजुवेंद्र दुबे को जन्मदिन पर आशीर्वाद दिया तो सभी श्रोताओं ने भी ताली बजाकर सन्मान किया।इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के शहर महामंत्री पंकज तिवारी,आयोजक अमरनाथ चौहान,वॉर्ड no 25 के प्रभारी मुन्ना तिवारी,पी के मिश्रा,lalle महराज,अनिल मिश्रा, अर्जुन पांडेय इत्यादि मौजूद थे।

मुंबई के प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलरी में आज प्रसिद्ध कलाकार कानन खांट की कला प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सीरियल के निर्माता असित कुमार मोदी और नीला असित मोदी, 'तारक मेहता' के 'बड़ा बॉय' कहे जाने वाले मशहूर अभिनेता तन्मय वेकारिया, मशहूर एक्ट्रेस सुजाता मेहता और मीनल पटेल, मशहूर डायरेक्टर-एक्टर अरविंद वेकारिया और विश्ववितशावी आज प्रदर्शनी में इंडो अमेरिकन कल्चरल सोसाइटी के संस्थापक पद्मश्री डॉ. प्रकाश कोठारी, प्रसिद्ध गीतकार स्नेहल मुजुमदार, प्रसिद्ध लेखिका वर्षा अदलजा, गीता मानेक और आशु पटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियां मौजूद थीं। इस प्रदर्शनी में कानन खांट की 'माया' श्रृंखला के चित्र शौकिया लोगों के लिए खुले हैं। कला प्रदर्शनी 14 se 20 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहेगी।

आलिया भट्ट के खिलाफ होगी FIR

फिल्म प्रमोशन के लिए होम क्वारैंटाइन का नियम तोड़ा, दिल्ली जाने पर BMC का एक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट पर पैंडेमिक एक्ट के तहत FIR दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। होम क्वारैंटाइन नियम तोड़ने के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) ने एक्ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। आलिया भट्ट की कोविड रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन BMC के नियमों के मुताबिक हाई रिस्क संपर्क लिस्ट में रखे गए लोगों के लिए 14 दिन होम क्वारैंटाइन रहना जरूरी है, इसके बावजूद ब्रह्मास्त्र मूवी के मोशन पोस्टर लॉन्च के लिए आलिया भट्ट, रणबीर कपूर के साथ दिल्ली चली गईं थीं। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक्ट्रेस कई लोगों से मिली भी हैं। ऐसे में आलिया ने BMC का नियम तोड़ा है। BMC इस मामले की जांच कर रही थी और नियम उल्लंघन की पुष्टि के बाद अब एक्ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए कहा गया है। BMC जन स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष राजुल पटेल ने कहा, 'मैंने DMC स्वास्थ्य विभाग को आलिया भट्ट के खिलाफ होम आइसोलेशन नियम का उल्लंघन करने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। वह एक रोल मॉडल हैं, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए था। नियम सबके लिए समान हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने बैलगाड़ी दौड़ की दी मंजूरी, 2014 से लगा था प्रतिबंध

महाराष्ट्र में बैलगाड़ी रेस के आयोजन पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए सशर्त मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के अंतिम आदेश तक जारी रहेगी। पीठ इस सवाल पर विचार करेगी कि क्या तमिलनाडु राज्य का पशु क्रूरता निवारण के संशोधित अधिनियम इस अदालत के दो निर्णयों में बताए गए दोषों को दूर करता है या नहीं। महाराष्ट्र की

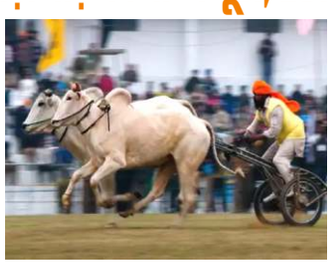

याचिका में भी वैसे ही सवाल हैं, जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु की याचिका में उठाए गए थे। ऐसे में कोर्ट तीनों मामलों की सुनवाई एक साथ करेगी। अदालत के इस फैसले के बाद पूरे राज्य में जश्न का माहौल है। लोग एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकार अदालत के फैसले को सेलिब्रेट कर रहे हैं। कई जगहों पर पटाखे फोड़ और मिठाई खिला जश्न मनाया गया। तमिलनाडु में जल्लीकट्टू पर लगी पाबंदी हटाने के लिए विधेयक लाया गया था, जिसके बाद महाराष्ट्र में भी इसी तरह का विधेयक लाई थी। हालांकि, इसमें एक बड़ी शर्त या रखी गई थी

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।